राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 26 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-330 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनियां में क्रिसमस की धूम पर बेथलेहम में नहीं मना जश्न

नई दिल्ली।

देश और दुनिया में क्रिसमस के उत्सव की धूम मची हुई है। वहीं दूसरी तरफ युद्ध के चलते प्रभु यीशु की जन्मस्थली बेथलेहम के चर्च ऑफ द नेटिविटी में सजावट तक नहीं की गई है, लोग हाथों में युद्ध नहीं शांति चाहिए लिखी तख्तियां लेकर सड़कों पर निकले हैं, लेकिन क्रिसमस का उत्साह देखने को नहीं मिल रहा है। यहां भारत व दुनियां के अन्य देशों में स्थित चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं की जा रही हैं और खूबसूरत सजावट से हर जगह उत्साह का माहौल है। भारत में गोवा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु सहित कई राज्यों में क्रिसमस की झलकियां देखी जा रही हैं। पुरी बीच पर मशहूर सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने चॉकलेट और रेत से सैंटाक्लॉज की अद्भुत मूर्तियां बनाई हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के मोस्ट होली रोज़री कैथेड्रल में सामूहिक प्रार्थना में हिस्सा लिया। हालांकि, गाजा-इजराइल संघर्ष के चलते बेथलेहम में इस साल भी क्रिसमस साधारण तरीके से मनाया जा रहा है। प्रभु यीशु के जन्मस्थल, चर्च ऑफ द नेटिविटी में सजावट तक नहीं की गई है। वहां के स्काउट्स ने पारंपरिक जुलूस के दौरान शांति और जीवन की कामना करते हुए, युद्ध नहीं शांति चाहिए, हम जीवन चाहते हैं, मृत्यु नहीं जैसे संदेशों वाले बैनर के साथ मार्च किया। तुर्कीए के इस्तांबुल में सेंट एस्प्रिट कैथेड्रल में क्रिसमस की विशेष प्रार्थना का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। बेथलेहम में यीशु के जन्मस्थल पर उत्सव की रौनक के बिना, दुनिया भर के चर्चों में शांति और मानवता की प्रार्थनाएं गूंज रही हैं।

सीआरपीएफ ने नक्सलवाद से निपटने में सराहनीय काम किया - अमित शाह

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सीआरपीएफ ने नक्सलवाद से निपटने और पूर्वोत्तर राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर में शांति एवं स्थिरता बहाल करने में सराहनीय काम किया है। गृह मंत्री ने यह बात सीआरपीएफ मुख्यालय के दौरे के दौरान कही, जहां उन्होंने महानिदेशक अनीश दयाल सिंह सहित बल के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शाह ने कहा कि देश में आंतरिक सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। शाह ने इस दौरान दुनिया के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल के संचालन और प्रशासनिक दक्षता की समग्र समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ ने नक्सलवाद से निपटने और पूर्वोत्तर राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर में शांति एवं स्थिरता बहाल करने में सराहनीय काम किया है। सीआरपीएफ प्रमुख ने गृह मंत्री को बल में अनुकंपा नियुक्तियों सहित इसके शहीद जवानों के परिजनों के लिए लागू की जा रहीं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया।

राजस्थान में पाकिस्तानी घुसपैठिया ढेर

श्रीगंगानगर ।

श्रीगंगानगर जिले के भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर घुसपैठिए को बीएसएफ ने मार गिराया। मंगलवार की देर रात साढ़े बारह बजे पाकिस्तानी भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहा था। मामला जिले के केसरीसिंहपुर इलाके के एक एक्स गांव के पास का है। एसपी गौरव यादव ने घटना की पुष्टि की है। घुसपैठिया भारतीय सीमा में पिलर की तरफ आने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान बीएसएफ जवानों ने उसे सचेत किया। फिर भी वह नहीं माना। इसके बाद जवानों ने उसे ढेर कर दिया। उसके पास कुछ पाकिस्तानी मुद्रा, सिगरेट का पैकेट और कुछ अन्य सामान मिला है। सेना और पुलिस जानकारी जुटाने में लगी। बॉर्डर पर मारे गए घुसपैठिए के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। सेना और पुलिस के अफसरों के बीच लगातार बातचीत हो रही है। घुसपैठिए के पास से एक आईडी कार्ड मिला है, जिस पर उर्दू में कुछ लिखा है।

मणिपुर में बम धमाकों की साजिश नाकाम

पुल के नीचे लगे विस्फोटक-डेटोनेटर, सेना ने मंसूबों पर फेरा पानी

चूराचांदपुर।

हिंसाग्रस्त मणिपुर को दहलाने की लगातार कोशिशें की जा रही हैं। भारतीय सेना की सक्रियता से साजिशों को नाकाम किया जा रहा है। भारतीय सेना की असम राइफल्स इकाई और मणिपुर पुलिस ने एक गांव में आईईडी की सूचना पर कार्रवाई की और यहां से 3.6 किलो विस्फोटक जब्त किया गया। भारतीय सेना के मुताबिक सेना को सूचना मिली कि मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के लेसियांग गांव में आईईडी है। इस पर असम राइफल्स इकाई और मणिपुर पुलिस ने एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। यहां इंफाल-चुराचांदपुर मार्ग पर एक पुल के नीचे 3.6 किलोग्राम विस्फोटक, डेटोनेटर और अन्य सामान बरामद किया गया। इससे पहले मणिपुर में सुरक्षा बलों ने सोमवार को चुराचांदपुर जिले के तेइजांग गांव में तलाशी अभियान चलाया। यहां से तीन देसी रॉकेट, मैगजीन के साथ एक .303 राइफल, मैगजीन के साथ चार पिस्तौल, छह देसी बम और कम गुणवत्ता वाले विस्फोटक की 45 छड़ें और अन्य कारतूस जब्त किए थे। जबकि लेसियांग गांव में सुरक्षा बलों ने नौ आईईडी और डेटोनेटर जब्त किए। इसके अलावा इंफाल पूर्वी जिले के मारिंग संदांगसेंगबा के साथ नगारियान पहाड़ी पर मैगजीन के साथ एक 7.62 मिमी एलएमजी, एक सिंगल बैरल बंदूक, एक 9 मिमी पिस्तौल और दो ग्रेनेड और अन्य कारतूस भी जब्त किए। वहीं 17 दिसंबर को भारतीय सेना और मणिपुर पुलिस ने मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले के मापीथेल रिज क्षेत्र से 21.5 किलोग्राम वजनी पांच आईईडी बरामद किए थे।

राष्ट्र विरोधी केजरीवाल के साथ गठबंधन पार्टी की एक भूल थी - अजय माकन

नई दिल्ली ।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 'एंटी नेशनल' (राष्ट्र विरोधी) बताते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के साथ लोकसभा चुनाव में गठबंधन करना उनकी पार्टी की एक भूल थी, जिसे सुधारना जरूरी है।

आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा एक 'श्वेत पत्र ' जारी किए जाने के मौके पर कांग्रेस के कोषाध्यक्ष ने संवाददाताओं से यह भी कहा कि दिल्ली की दुर्दशा और यहां उनकी पार्टी की कमजोर होने की एक बड़ी वजह, कांग्रेस का 10 साल पहले केजरीवाल के नेतृत्व वाली पहली सरकार को समर्थन देना था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह उनके निजी विचार हैं। उन्होंने केजरीवाल की घोषणाओं का हवाला देते हुए कहा, 'केजरीवाल को अगर एक शब्द में परिभाषित किया जा सकता है तो वह शब्द है 'फर्जीवाल'। इस व्यक्ति की घोषणाएं सिर्फ फर्जीवाड़ा हैं, उसके अलावा और कुछ नहीं हैं।' माकन ने कहा कि अगर वह (केजरीवाल) इतने गंभीर हैं तो पंजाब में इन कामों को करके दिखाएं क्योंकि वहां तो कोई उपराज्यपाल भी नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि वह फर्जी वादे करके लोगों को क्यों गुमराह कर रहे हैं?

माकन ने कहा, 'हमारी पार्टी में सभी को अपने अपने विचार रखने की आजादी है। जहां तक केजरीवाल के बारे में मेरे विचार हैं तो आप (पत्रकार) लोगों से बेहतर कोई नहीं जानता। मेरा मानना है कि दिल्ली की आज जो दुर्दशा है और कांग्रेस इतनी कमजोर हुई है, तो इसकी वजह यह है कि 2014 में हमने उनका 40 दिनों के लिए समर्थन किया था। दिल्ली की दुर्दशा का एक सबसे बड़ा कारण यही है।' माकन ने कहा, ' मेरा मानना है कि दोबारा गठबंधन (लोकसभा चुनाव में) करके एक भूल हुई है और उसे सुधारना जरूरी है। मैं कभी भी इस बात का पक्षधर नहीं रहा हूं कि केजरीवाल जैसे व्यक्ति पर भरोसा किया जाए।' उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल राजनीति में अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं तथा इनकी कोई विचारधारा और कोई सोच नहीं है।

माकन ने दावा किया कि केजरीवाल सामान नागरिक संहिता, अनुच्छेद 370 और संशोधित नागरिकता कानून के मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के रुख के साथ खड़े नजर आए।

पीएम मोदी ने रखी केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की आधारशिला

-कांग्रेस पर साधा निशाना और बोल- वे फीता काटने में माहिर

यह परियोजना भारत के राष्ट्रीय नदी जोड़ो योजना का पहला कदम

खजुराहो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के मौके पर मध्य प्रदेश में केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना की आधारशिला रखी। यह परियोजना भारत के राष्ट्रीय नदी जोड़ो योजना का पहला कदम है, इसका उद्देश्य बुंदेलखंड क्षेत्र में पानी की कमी को दूर करना है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पार्टी की नीतियों पर निशाना साधकर कहा कि अतीत में कांग्रेस सरकारें घोषणाओं और फीता काटने में माहिर थीं, लेकिन विकास की दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं किया। पीएम मोदी ने बताया कि कांग्रेस की सरकारों ने कभी जल संकट के स्थायी समाधान पर काम नहीं किया। जबकि हमारी सरकार में स्थायी समाधान पर काम हो रहा है। उन्होंने मध्यप्रदेश के किसानों और लोगों के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि आज जल संकट से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

सिंचाई और जलविद्युत-

इस परियोजना से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों को सिंचाई सुविधाएं मिलेंगी, जिससे लाखों किसान परिवारों को लाभ होगा। इसके अलावा, जलविद्युत उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे बिजली की कमी पूरी होगी।

पेयजल आपूर्ति-

यह परियोजना न केवल कृषि के लिए, बल्कि क्षेत्र के नागरिकों के लिए पेयजल प्रदान करेगी, खासकर बुंदेलखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में। लोगों को अब पीने के पानी के लिए संघर्ष नहीं करना होगा।

भूजल स्थिरता और रोजगार-

इस परियोजना से भूजल स्थिरता बढ़ेगी और बुंदेलखंड में रोजगार के मौकों में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। इससे पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा।

हालांकि, परियोजना से जुड़ी पर्यावरणीय चिंताएँ भी हैं, विशेषकर पन्ना टाइगर रिजर्व में दौधन बांध के निर्माण से वन्यजीवों और पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके प्रभाव को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जलाशय में पानी उपलब्ध रहेगा, जिससे जानवरों की पानी की जरूरत पूरी हो सकेगी।

केन-बेतवा परियोजना का महत्व-

यह परियोजना भारत के जल संकट के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और मोदी सरकार की जलसंसाधन प्रबंधन की रणनीति को बढ़ावा देती है। इसके अलावा, यह केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के राज्यों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास का प्रतीक है। इस परियोजना की लागत 44,605 करोड़ रुपये के आस-पास है, और यह क्षेत्रीय जल मुद्दों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता ने मनाया क्रिसमस, लोगों ने पूछा टोपी वहीं खरीदी या हाट बाजर से खरीदी

वॉशिंगटन।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स बीते कई महीनों से स्पेस में फंसी हैं। उनकी वापसी तकनीकी एवं अन्य कारणों के चलते अटकी हुई है। इसी बीच तीज त्योहार मनाने की तस्वीरें सामने आती रहीं हैं। आज क्रिसमस पर जश्न मनाते सुनीता एक बार फिर दिखीं। सोशल मीडिया पर लोगों ने पूछा कि ये सांता की टोपी क्या वहीं सिलवाई है या अंतरिक्ष में लगी हाट से खरीदी है।

सुनीता और बुच के क्रिसमस सेलिब्रेशन की तस्वीरें जैसे ही सामने आईं, सोशल मीडिया पर लोगों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए।

कई यूजर्स ने पूछा, क्या सांता हैट और क्रिसमस की सजावट वे अपने साथ ले गए थे, या उन्होंने इसे वहीं बनाया? एक अन्य ने व्यंग्यात्मक रूप से लिखा, ये वही लोग हैं जो जून में आठ दिन के मिशन के लिए गए थे? इसके अलावा, कुछ यूजर्स ने इसे बड़ा षड्यंत्र बताते हुए दावा किया कि ये सभी तस्वीरें और वीडियो एक स्टूडियो में फिल्माए गए हैं। नासा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि आईएसएस पर भेजे गए ताजा सामान की डिलीवरी में क्रिसमस की सजावट, विशेष उपहार, और उत्सव के भोजन शामिल थे। यह डिलीवरी नवंबर के अंत में एक स्पेसएक्स के जरिए की गई थी। नासा ने बताया कि हर साल आईएसएस को ताजा राशन और आवश्यक सामग्री के साथ-साथ त्योहारों के लिए विशेष सामान भी भेजा जाता है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर फंसे नासा के अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर ने इस क्रिसमस को खास अंदाज में मनाया है। सैंटा हैट और क्रिसमस की अन्य सजावट पहने इन अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें हाल ही में सामने आईं, जिसमें वे उत्सव के मूड में दिखाई दिए। हालांकि इससे आशंकाओं भरे सवाल भी उठे हैं।

इससे पहले, आईएसएस पर मौजूद अंतरिक्षयात्रियों ने धन्यवाद दिवस (थैंक्सगिविंग) भी धूमधाम से मनाया था।

जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी, कई राज्यों में छाया कोहरा

हरियाणा में विजिबिलिटी 10 तो दिल्ली में 100 मीटर, बर्फबारी से 223 सड़कें बंद

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी जारी है। लाहौल और स्पीति का कुकुमसेरी सबसे ठंडा रहा। यहां रात का तापमान माइनस 6.9 डिग्री से भी नीचे चला गया। हिमाचल में बर्फबारी के बाद तीन नेशनल हाईवे समेत 223 सड़कें बंद हो गई हैं। इसमें शिमला की 145 सड़कें हैं, जबकि कुल्लू में 25 और मंडी जिलों में 20 सड़कें बंद हैं। इससे वहां पहुंचे पर्यटक फंस गए हैं। सड़कों पर गाड़ियों की लंबी-लंबी कतारे नजर आ रही हैं।

बर्फबारी के कारण लद्दाख, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में भी पारा गिर गया है। सोनमर्ग में रात भर बर्फबारी हुई है। आईएमडी ने कहा है कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, पश्चिम उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़ और मराठवाड़ा में 26 दिसंबर को ओले पड़ने की संभावना है। वहीं, विदर्भ और मध्य प्रदेश में 27 और 28 दिसंबर को ओले गिर सकते हैं।

राजस्थान और दिल्ली में भी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में तापमान और कम हो सकता है। 9 राज्यों में घने कोहरे का भी अलर्ट जारी किया गया है। हरियाणा के कुछ जिलों में विजिबिलिटी 10 मीटर से कम हुई। वहीं, दिल्ली में विजिबिलिटी घटकर 100 मीटर से कम हो गई है। दिल्ली एयरपोर्ट ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि कुछ फ्लाइट्स प्रभावित हो सकती है।

कश्मीर के स्नोबेल्ट रीजन में बर्फबारी से कई जगहों पर पारा माइनस में पहुंच गया है। इससे पाइप लाइनों में पानी जम गया है। गुलमर्ग में माइनस 7.4, काजीगुंड में माइनस 6.2 डिग्री तापमान रहा। पंपोर के गांव कोनीबल माइनस 8.5 डिग्री के साथ सबसे ठंडा रहा। उत्तराखंड के चमोली और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और निचले इलाकों में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने 26 दिसंबर के लिए 5 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड में शीतलहर का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में शीतलहर और पाला पड़ने की संभावना है। वहीं महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में तेज बारिश हो सकती है। पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, असम, मेघालय में कोहरा

छाया रहेगा।

27 दिसंबर की बात करें तो 8 राज्यों में ओले गिरने का अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र, वेस्ट यूपी में ओले गिर सकते हैं। सौराष्ट्र, कच्छ, तेलंगाना, गुजरात और छत्तीसगढ़ में तेज आंधी और बारिश हो सकती है। उत्तर भारत और मैदानी राज्यों में शीतलहर, कोहरे की संभावना नहीं है। हिमाचल में बर्फबारी होगी, जिससे तापमान गिरेगा और शीतलहर भी चल सकती है।

28 दिसंबर को देश के दो राज्यों मध्यप्रदेश, विदर्भ में ओले गिरने की संभावना है। मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, हिमाचल, उत्तराखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ में तेज आंधी और बारिश हो सकती है।

अयोध्या में रामलला के दर्शन का समय एक घंटा बढ़ाए जाने का निर्णय लिया गया

नई दिल्ली ।

उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए अयोध्या में भी रामलला के दर्शन का समय एक जनवरी से एक घंटा बढ़ाए जाने का निर्णय लिया गया है। श्री जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अनिल मिश्रा ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि प्रयागराज में आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत को देखते हुए ट्रस्ट ने निर्णय लिया है कि रामलला के दर्शन का समय 1 जनवरी से एक घंटे के लिए बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस साल 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश और दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बहुत व्यवस्थित व्यवस्था की गई है। सात प्रवेश मार्गों का इस्तेमाल किया जाता है। यात्रियों की सुविधा के लिए वस्तुओं को रखने और उनके जूते-चप्पल रखने की व्यवस्था है। पास में दो हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है। पेयजल और चिकित्सा की व्यवस्था है। इन सब सुविधाओं का लाभ उठाया जा सकता है। उसके बाद दर्शन के लिए प्रस्थान करते हैं। सुरक्षा के बाद चार पंक्तियों से लोग जाते हैं। वहां पर रामलला के दर्शन बहुत दिव्यता से होते हैं। प्रतिदिन सुगमता पूर्वक तीन लाख लोग दर्शन कर सकते हैं। पंक्ति में रहकर नजदीक से दर्शन की व्यवस्था है।

निकास मार्ग पर प्रसाद की व्यवस्था है। प्रत्येक श्रद्धालु जो

यहां आता है उसे प्रसाद मिलता है। प्रत्येक लाइन में बैठने के लिए बेंच भी है। तीन लाख लोग 40 से 45 मिनट में दर्शन कर सकते हैं। अगले साल 1 जनवरी से दर्शन की अवधि बढ़ाने का फैसला किया गया है। दर्शन की अवधि करीब एक घंटे और बढ़ाएंगे जिससे 1 जनवरी को आने वाले श्रद्धालुओं और महाकुंभ में आने वाले भक्तों को सुविधा होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैश्विक व्यापार में अपनी जगह तलाशता भारत

भारत के लिए बेहतर यह हो सकता है कि वह वैश्विक व्यापार में अपने स्थान को मजबूत करे, लेकिन नौकरशाही, लालफीताशाही और भ्रष्टाचार इसके मार्ग में रुकावट डाल रहे हैं। अनुसंधान और नवाचार की कमी, साथ ही एफटीए समझौतों में असफलता, भारत को अन्य देशों की तरह सफलता दिलाने में विफल रही। जबकि अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर सख्त शुल्क लगा दिए, बहुराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प की तलाश कर में रहीं, लेकिन यह अवसर भारत में नहीं आ सका। इसके परिणामस्वरूप, व्यापार में श्रम सघन क्षेत्रों में भारत की हिस्सेदारी घट गई और कृषि उत्पादों में प्रतिस्पर्धा नहीं बढ़ पाई।

सुरेश सेठ

डॉलर के मुकाबले रुपया

अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट थामना जरूरी है। विदेशी व्यापार घाटा कम करके यह संभव है यानी निर्यात बढ़ाएं और आयात वृद्धि रोकें। बेशक ज्यादा विदेशी निवेश आकर्षित करना, एफटीए व नवाचार जैसे उपाय इसमें कारगर हैं। वहीं आर्थिकी के विभिन्न सेक्टर्स को निर्यात प्रतिस्पर्धी भी बनाना होगा। भारत अपनी मुद्रा के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले निरंतर गिरावट को लेकर चिंतित है। इस समस्या से निपटने के लिए ब्रिक्स सम्मेलन में प्रस्तावित किया गया कि तीसरी दुनिया के देशों और रूस के साथ व्यापार अपनी-अपनी मुद्राओं में किया जाए या डॉलर के बजाय एक वैकल्पिक मुद्रा का उपयोग किया जाए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि डॉलर के मुकाबले वैकल्पिक मुद्रा की कोशिशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ बढ़ा दिया जाएगा, जिससे व्यापार प्रभावित हो सकता है। फिलहाल, भारत को अपनी आयात-आधारित अर्थव्यवस्था को बदलकर निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था में रूपांतरित करने की आवश्यकता है, और निवेश आकर्षित करने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है, ताकि वैश्विक निवेशक भारत की ओर आकर्षित हो सकें।

अमेरिका वैश्विक व्यापार में बहुत बड़ी हिस्सेदारी रखता है, जबकि भारत की हिस्सेदारी केवल 1 प्रतिशत है। भारत को अधिकांश सामान जैसे कच्चा तेल और फार्मा उद्योग के लिए आवश्यक सामग्री आयात करनी पड़ती है। दरअसल, हम अमेरिका और चीन पर अत्यधिक निर्भर हैं, हालांकि चीन के उत्पादों के निर्यात कम करने की कोशिशों के बावजूद व्यापारिक निर्भरता कम नहीं हुई है। भारत को आत्मनिर्भर बनकर आयात को कम करने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में जल्दी कदम उठाने की आवश्यकता है, लेकिन पिछले साल निर्यात वृद्धि बहुत कम रही और आयात की निर्भरता बनी रही।

भारत ने आशा व्यक्त की थी कि कोविड महामारी के बाद चीन की कमजोर स्थिति के चलते वह विदेशी निवेश को आकर्षित कर सकेगा। ट्रम्प ने चीन से आयात पर अतिरिक्त शुल्क बढ़ाने की घोषणा की थी, और कनाडा, मैक्सिको से भी आयात पर शुल्क लगाया गया था, जबकि हाल ही में चेतावनी को छोड़ दें तो भारत के विरुद्ध इतने बड़े स्तर पर ऐसा कदम शायद ही उठाया गया हो। चीन के आर्थिक संकट में निवेशक वहां पैसा लगाने से हतोत्साहित हो रहे हैं, जिससे 'चीन प्लस वन' रणनीति को लागू करने की बात की जाती रही है, ताकि भारत एक आकर्षक निवेश स्थल बने। हालांकि, नीति आयोग का कहना है कि इसमें सीमित सफलता मिली है। इसके मुकाबले, वियतनाम, थाईलैंड, कंबोडिया और मलेशिया को अधिक लाभ हुआ क्योंकि वहां सस्ता श्रम, सरल कर कानून, कम शुल्क और तेज़ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत के लिए बेहतर यह हो सकता है कि वह वैश्विक व्यापार में अपने स्थान को मजबूत करे, लेकिन नौकरशाही, लालफीताशाही और भ्रष्टाचार इसके मार्ग में रुकावट डाल रहे हैं। अनुसंधान और नवाचार की कमी, साथ ही एफटीए समझौतों में असफलता, भारत को अन्य देशों की तरह सफलता दिलाने में विफल रही। जबकि अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर सख्त शुल्क लगा दिए, बहुराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प की तलाश कर में रहीं, लेकिन यह अवसर भारत में नहीं आ सका। इसके परिणामस्वरूप, व्यापार में श्रम सघन क्षेत्रों में भारत की हिस्सेदारी घट गई और कृषि उत्पादों में प्रतिस्पर्धा नहीं बढ़ पाई। बासमती चावल का पेटेंट हमारे पास होने के बावजूद, पाकिस्तान ने उसकी नकल कर ली। किसानों को निर्यात प्रोत्साहन नहीं मिल सका

क्योंकि सरकार की अनुदान नीति के कारण अनाज की कीमतें बढ़ने नहीं दी गईं। भारत अपने निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र में प्रगति करने में अग्रणी देशों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सका। उच्च लागत, गिरते मुद्रा मूल्य और सस्ते निर्यात के कारण उत्पादकों को घाटा हो रहा है, जिससे स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। नीति आयोग ने चीन प्लस वन रणनीति की सीमित सफलता को स्वीकार किया है। हालांकि, पहले चीन में निवेश से बचकर व्यापार विविधता की आवश्यकता उत्पन्न हुई थी, भारत इस अवसर को अभी तक पूरी तरह से भुना नहीं सका। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक ने भी कहा कि ट्रम्प की घोषणाएं भारत के लिए एक बड़ा अवसर हैं।

अगर अब भारत खुद को सही तरीके से तैयार करता है, तो यहां एक बड़ा आर्थिक उछाल आ सकता है, क्योंकि भारत का वैश्विक व्यापारिक चेहरा बदलने वाला है।

अमेरिका, जो भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, के साथ संबंध मजबूत हो रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी भारत की 'वोकल फॉर लोकल' नीति की सराहना की है और यहां निवेश बढ़ाने की घोषणा की है। हालांकि, विदेश मंत्री एस. जयशंकर का कहना है कि सिर्फ निवेश बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, रूस को भारतीय उत्पादों के लिए अपने बाजार भी खोलने चाहिए। यदि निर्यात बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए जाते हैं, तो बदलती स्थिति और भी आकर्षक बन सकती है।

पिछली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर में गिरावट आई है, जबकि सरकार का लक्ष्य 2047 तक 7 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखना है। इस गिरावट ने भारत सरकार को सतर्क किया है कि वह अपने सार्वजनिक निवेश को घटाने के बजाय स्थिर बनाए रखे, क्योंकि यह पूंजी निर्माण में सहायक है। घरेलू निवेशकों द्वारा कमी को पूरा किया जा सकता है, लेकिन विदेशी निवेशकों का समर्थन आवश्यक है, ताकि भारत चीन की जगह निवेश का आकर्षक स्थल बन सके। तभी भारत अपनी बेरोजगारी दर को कम कर सकेगा और मंडियों की मांग को पूरा कर सकेगा। इसके लिए यथास्थितिवाद पर्याप्त नहीं होगा, जैसा कि मौद्रिक नीति में रैपो रेट में कोई बदलाव न करने से स्पष्ट है। सरकार को साहसिक निर्णय और सभी क्षेत्रों में समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देना चाहिए।

लेखक साहित्यकार हैं।

संपादकीय

विफल प्रयोग में सुधार

अब केंद्र सरकार ने शिक्षा नीति में उस फैसले में सुधार किया है, जिसमें पांचवीं व आठवीं में किसी छात्र को फेल न करके, अगली कक्षा में जाने का सरल रास्ता दे दिया गया था। कहा जा रहा था कि इस फैसले के चलते छात्रों द्वारा परीक्षाओं को गंभीरता से न लेने से शैक्षिक गुणवत्ता में गिरावट देखी जा रही थी। छात्रों को लगने लगा था कि जब वे फेल नहीं होंगे और अगली कक्षा में बिना पढ़े चले जाएंगे, तो पढ़ना किस लिए। जिसके चलते शैक्षिक स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही थी। दरअसल, पहले सरकार ने इस मुद्दे पर संवेदनशील व मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए छात्रों के प्रति उदार रवैया अपनाया। यह माना गया कि छात्रों को फेल करने से उनके आत्मसम्मान को ठेस लगती है। कतिपय स्थानों पर फेल होने के तनाव में आत्महत्या तक के मामले प्रकाश में आए थे। यही वजह थी कि विद्यार्थियों के स्वाभाविक विकास व उनका मनोबल ऊंचा रखने के लिये उन्हें फेल न करने की नीति अपनायी गई। दरअसल, नो डिटेंशन नीति लागू करने का मकसद यही रहा कि वंचित व पिछड़े समाज के छात्रों को स्कूलों में अधिक से अधिक दाखिला पाने का मौका मिले। यह नीति राइट टू एजुकेशन का हिस्सा थी। दरअसल, इस नीति का मकसद स्कूलों में बेहतर वातावरण बनाना था जिससे बच्चे बिना किसी भय के नियमित स्कूल आते रहें। उन्हें फेल न करने की नीति का मकसद यह भी था कि वे फेल होने पर शर्म महसूस न करें। किसी तरह का तनाव न झेलें। लेकिन इस कोशिश का परिणाम यह हुआ कि बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई से विमुख होने लगे। उनके मन से परीक्षा की गंभीरता का भाव जाता रहा। यही वजह थी कि जुलाई 2018 में राइट टू एजुकेशन को संशोधित करने हेतु लोकसभा में बिल पेश किया गया। इसमें स्कूलों में लागू नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करने का विचार किया गया। कालांतर 2019 में राज्य सभा में भी यह बिल पारित हुआ। दरअसल, संशोधित नीति के अंतर्गत परीक्षाओं में फेल होने वाले विद्यार्थियों के लिये दो माह के भीतर पुन- परीक्षा की व्यवस्था की गई। कहा गया कि पांचवीं व आठवीं के विद्यार्थियों के लिये नियमित परीक्षा करायी जाए। दरअसल, संसद में संशोधन बिल पारित होने के उपरांत राज्य सरकारों को छूट दी गई थी कि वे नो डिटेंशन नीति को हटा सकते हैं। इसे राज्यों के विवेक पर छोड़ा गया क्योंकि शिक्षा राज्यों का विषय होता है। बहरहाल, अब केंद्र सरकार ने शैक्षिक सुधारों की दिशा में कदम उठाते हुए नई नीति के तहत केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों तथा सैनिक स्कूलों में नो डिटेंशन नीति को खत्म कर दिया है। परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को एक और परीक्षा का मौका तो दिया जाएगा, लेकिन उन्हें स्कूल से निकाला नहीं जाएगा। दुबारा फेल होने पर वे उसी कक्षा में फिर से पढ़ाई करेंगे। निस्संदेह, फैसले के बाद छात्र इम्तिहानों को गंभीरता से लेने पर परीक्षाओं की गरिमा भी बरकरार रहेगी। दरअसल, सरकार की कोशिश रही है कि नई शिक्षा नीति उदार बनी रहे और इससे उनकी सीखने की प्रवृत्ति का विकास हो सके। यहां उल्लेखनीय है कि पहले ही बीस राज्य व केंद्रशासित प्रदेश नो डिटेंशन पॉलिसी को समाप्त कर चुके हैं। लेकिन यहां जरूरी है कि स्कूलों में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूती दी जाए। इसके लिये आवश्यक है कि शिक्षा में छात्रों की रुचि बढ़ाने वाले पाठ्यक्रम लागू हों, व्यक्तिगत शिक्षण दृष्टिकोण तथा व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को बढ़ावा मिले। ऐसे में यदि छात्रों को प्रणालीगत विपलताओं का त्रास झेलना पड़े तो यह उनके प्रति अन्याय करने जैसा ही होगा।

छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल विस्तार : चुनावी रणनीति और विकास के अवसर

(लेखक - सत्यप्रकाश दुबे)

छत्तीसगढ़, जो अपने प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक विविधता और आदिवासी विरासत के लिए जाना जाता है, वर्तमान में अपने राजनीतिक परिदृश्य के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। आगामी नगरीय और पंचायत चुनाव तथा प्रदेश में चल रही विकासोउन्मुखी योजनाओं की दिशा में सुधार लाने के उद्देश्य से राज्य की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी अपने मंत्रिमंडल विस्तार के विचार में है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में यह प्रक्रिया न केवल राजनीतिक रणनीति का एक हिस्सा है, बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक संरचना पर भी इसका दीर्घकालिक प्रभाव पड़ने की संभावना है। राज्य के मंत्रिमंडल में विधानसभा की कुल संख्या का अधिकतम 15 प्रतिशत सदस्य हो सकते हैं। इस प्रकार राज्य में मंत्रिमंडल के लिए अधिकतम 14 सदस्य शामिल किया जा सकता है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ सरकार में 11 मंत्री हैं, जिसका अर्थ है कि तीन और मंत्री पद खाली हैं, जिन्हें भरा जा सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार को समझने और उसका विश्लेषण करने के लिए राज्य की राजनीतिक, सामाजिक और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं को समझना आवश्यक है। सबसे पहले, 2024 के अंत में प्रस्तावित नगरीय निकाय चुनाव तथा त्री-स्तरीय पंचायत चुनाव के लिए तैयार होना पहली प्राथमिकता है। आगामी चुनावों से पहले सभी क्षेत्रों में विकास योजनाओं को बढ़ावा देना और जनता के साथ संवाद को मजबूत करना जरूरी है। इसके अलावा, वर्तमान मंत्रिमंडल में कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों और वर्गों का प्रतिनिधित्व नहीं है, जिसे संतुलित करने की आवश्यकता है। विभिन्न क्षेत्रों और जातीय समूहों को समान प्रतिनिधित्व प्रदान करना सरकार के लिए एक बड़ी प्राथमिकता है। यह भी सुनिश्चित किया जाना होगा कि मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व सभी प्रमुख क्षेत्रों जैसे बस्तर, सरगुजा, रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभागों के हिसाब से हो। बिलासपुर संभाग के नेताओं में अमर अग्रवाल और धरमलाल कौशिक जैसे बड़े नाम शामिल हैं। अमर अग्रवाल एक अनुभवी नेता हैं जिन्होंने पूर्व में वित्त और नगरीय प्रशासन जैसे विभाग संभाल चुके हैं। उनकी विशेषज्ञता और अनुभव राज्य की वित्तीय और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बना सकती हैं। धरमलाल कौशिक, जो विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं, संगठनात्मक मजबूती के साथ क्षेत्रीय पकड़ भी रखते हैं। इन दोनों नेताओं की विशेषज्ञता और अनुभव का उपयोग मंत्रिमंडल के विस्तार में किया जा सकता है। बस्तर संभाग, जो आदिवासी बहुल है और राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है, वहां से किरण देव और विक्रम उसेंडी जैसे नेता संभावित उम्मीदवार हो सकते हैं। किरण देव एक युवा आदिवासी नेता हैं जिनकी राजनीति में मजबूत पकड़ है और वे युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं। विक्रम उसेंडी राज्यसभा सदस्य और आदिवासी समुदाय के एक प्रमुख नेता हैं जो इस क्षेत्र को एक सशक्त प्रतिनिधित्व दे सकते हैं। बस्तर और सरगुजा जैसे आदिवासी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने से सरकार इस वर्ग का विश्वास जीत सकती है, जो कि चुनावी समीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रायपुर संभाग से राजेश मूणत, अजय चंद्राकर और सुनील सोनी जैसे नेताओं का नाम लिया जा रहा है। राजेश मूणत एक अनुभवी नेता हैं जिन्होंने रायपुर में प्रभावशाली जनाधार बनाया है। अजय चंद्राकर, जिनका प्रशासनिक और संगठनात्मक कौशल उन्हें एक प्रमुख उम्मीदवार बनाता है, वे सरकार को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। सुनील सोनी, जो एक उभरते नेता हैं और युवाओं तथा शहरी वर्ग में लोकप्रियता रखते हैं, वे भी मंत्रिमंडल में संभावित रूप से शामिल हो सकते हैं। सरगुजा संभाग और अन्य आदिवासी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना भी सरकार के लिए महत्वपूर्ण होगा। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग राज्य की जनसंख्या में एक बड़ा हिस्सा रखते हैं, और इन वर्गों का समर्थन सुनिश्चित करना आगामी चुनावों के लिए आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों से मंत्रियों का चयन कर, सरकार न केवल इस समुदाय का समर्थन प्राप्त कर सकती है बल्कि क्षेत्रीय संतुलन भी स्थापित कर सकती है। महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना भी सरकार के एजेंडे में शामिल हो सकता है। महिला विधायकों को शामिल कर सरकार महिला मतदाताओं और युवा वर्ग के बीच अपनी छवि को बेहतर बना सकती है। यह कदम न केवल प्रशासनिक दृष्टिकोण से लाभदायक हो सकता है बल्कि इससे सरकार की सामाजिक और राजनीतिक छवि भी मजबूत हो सकती है। सत्ताधारी दल के भीतर विभिन्न गुट अपने-अपने उम्मीदवारों को मंत्रिमंडल में शामिल कराने के लिए दबाव बना सकते हैं। यह भी एक चुनौती हो सकती है, क्योंकि इससे आंतरिक राजनीति और संतुलन प्रभावित हो सकता है। विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को घेरने का प्रयास करेगा, खासकर अगर किसी क्षेत्र या वर्ग को नजर अंदाज किया गया। विपक्ष सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर विभिन्न मुद्दे उठा सकता है, जैसे क्षेत्रीय असंतुलन, जातीय पक्षपात, या महिला प्रतिनिधित्व की कमी। जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना और सभी क्षेत्रों को समान रूप से प्रतिनिधित्व देना भी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। छत्तीसगढ़ के जनमानस की विविधता और जटिलता को ध्यान में रखते हुए, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर क्षेत्र और हर वर्ग की आवाज मंत्रिमंडल में सुनाई दे। इससे न केवल सरकार की छवि में सुधार होगा, बल्कि जनता का विश्वास भी मजबूत होगा। नए मंत्रियों की नियुक्ति के बाद, सरकार को विकास योजनाओं को गति देना और प्रशासनिक ढांचे को और भी अधिक सशक्त बनाना होगा। यह कदम राज्य के प्रशासनिक ढांचे को और भी अधिक मजबूत बना सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार से जुड़े कुछ प्रमुख पहलू हैं जिन पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। सबसे पहले, क्षेत्रीय संतुलन एक महत्वपूर्ण कारक है। छत्तीसगढ़ को पांच प्रमुख संभागों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजाकृमें विभाजित किया गया है। वर्तमान मंत्रिमंडल में कुछ क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कम है, जिसे संतुलित करना आवश्यक है। यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है कि सभी क्षेत्रों के लोगों को बराबर महत्व और अवसर मिलें। इससे सरकार को एकीकृत और संतुलित छवि प्रस्तुत करने में मदद मिलेगी। आदिवासी क्षेत्रों में विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी महत्वपूर्ण है।

(चिंतन-मनन)

मुक्ति की तलाश

जापान में नानहेन नामक एक परम ज्ञानी फकीर थे। एक दिन एक व्यक्ति उनके पास पहुंचकर बोला, मैं संन्यास लेना चाहता हूं। इसके लिए मैंने अपने घर-परिवार, रिश्ते-नाते सब को तिलांजलि दे दी है। फकीर ने पूछा, क्या तुम बिल्कुल अकेले हो? तुम्हारे साथ वास्तव में कोई नहीं है। व्यक्ति बोला, आप मेरे आगे-पीछे देख लीजिए, आपको कोई नहीं मिलेगा। फकीर बोले, अपनी आंखें बंद करो। अंदर झांककर देखो कि वहां कोई और तो नहीं है? जाओ, कुछ देर के लिए वटवृक्ष की छाया में बैठकर सोचो। थोड़ी देर बाद आना।

वह व्यक्ति वटवृक्ष की छाया में बैठकर ध्यान करने लगा। जब उसने आंखें बंद कीं तो उसे अपने वृद्ध माता-पिता, पत्नी और बच्चों की छवि नजर आने लगी। वह चिंतित हो गया। घबराकर उसने अपनी आंखें खोलीं तो फकीर को अपने पास खड़ा पाया। व्यक्ति ने कहा, मैं तो अपना परिवार, नाते-रिश्ते सब पीछे छोड़ आया था, लेकिन यहां पर आंखें बंद करते ही उनकी छवि सामने घूम रही है। इस पर फकीर बोले, ध्यानमग्न होकर उन व्यक्तियों को अपने दिमाग से निकालने का प्रयत्न करो। कुछ देर बाद मेरे पास आना। दो घंटे बाद युवक ने फकीर का दरवाजा खटखटाया तो फकीर बोले, कौन है? युवक बोला, मैं हूं। फकीर ने कहा, अभी भी तुम अकेले नहीं हो। तुम्हारा मैं तुम्हारे साथ है। अगर तुम इस मैं और भीड़ को छोड़ सको तो फिर यहां आने की जरूरत ही नहीं रह जाएगी। तुम मैं से मुक्ति पा लो तो फिर संन्यास लेने का भी कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। व्यक्ति ने फकीर की बात समझ ली।

विचार मंथन

देश,पॉपकॉर्न पर तीन तरह के टैक्स? जीएसटी प्रणाली से सभी परेशान

(लेखक-सनत कुमार जैन)

जीएसटी, जिसे गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स के रूप में एकीकृत कराधान प्रणाली के रूप में प्रस्तुत किया गया था। इस टैक्स के लागू होने के बाद अन्य सभी टैक्स खत्म हो जाने चाहिए थे। जीएसटी का उद्देश्य भारत की कराधान प्रक्रिया को सरल बनाना था। जब से जीएसटी लागू हुआ है। अभी तक जीएसटी कानून में हजारों संशोधन हो चुके हैं। जीएसटी कानून में एक ही उत्पाद पर अलग-अलग टैक्स की दरें हैं। सीए,कारोबारी, वकील उपभोक्ता सभी जीएसटी कानून से परेशान हो चुके हैं। मुकदमों की बाढ़ आ चुकी है। सरकार हर लेनदेन को जीएसटी के दायरे में लेकर आई है। 65 फ़ीसदी जीएसटी की वसूली गरीब और मध्यम वर्ग से हो रही है। जीएसटी में टैक्स की दरें लगातार बढ़ाई जा रही हैं। हाल ही में पॉपकॉर्न पर अलग-अलग जीएसटी की दरों के निर्णय ने एक बार फिर कर प्रणाली की जटिलताओं को उजागर किया है।

55वीं जीएसटी काउंसिल बैठक में गरीबों के पॉपकॉर्न पर लगाए गए टैक्स ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। सोशल मीडिया में वीडियो रियल और व्यंग्य के माध्यम से केंद्रीय वित्त मंत्री के ऊपर लगातार हमले हो रहे हैं।अब सॉल्टेड पॉपकॉर्न पर 5फीसदी पैक्ड पॉपकॉर्न पर 12फीसदी, और कैरेमल पॉपकॉर्न पर 18फीसदी जीएसटी लगेगा। जीएसटी के इस वर्गीकरण ने आम जनता को भी उलझन में डाला है। कराधान प्रणाली को लेकर अब आम से खास तक सभी हैरान और परेशान है

जीएसटी को सरल और तर्कसंगत प्रणाली के रूप में केंद्र सरकार ने पेश किया था। बड़े-बड़े सब्जबाग उपभोक्ताओं को दिखाए गए थे। एक कर प्रणाली से महंगाई कम होगी। टैक्स की चोरी रुकेगी। जीएसटी लागू होने के बाद वस्तुओं और सेवाओं को अलग-अलग श्रेणियों में बांटने की प्रक्रिया ने इसे जटिल बना दिया है। भारत में लागू जीएसटी कानून दुनिया का सबसे जटिल कानून है। जिसका ना कोई ओर है ना कोई छोर है। पॉपकॉर्न जैसे उत्पाद पर तीन अलग-अलग टैक्स, इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। जीएसटी कानून में इस तरह के वर्गीकरण से उपभोक्ता को भ्रमित करता है। जीएसटी के नाम पर उपभोक्ता से लूट की जा रही है। कारोबारियों और कर अधिकारियों के लिए भी जीएसटी के कानून हैरान और परेशान करने वाले हैं सरकारी अधिकारियों ने इसे लूट और रिश्वत के लिए मुफीद साबित हो रहा है। जीएसटी कानून की विसंगतियों के कारण न्यायालय में मुकदमे दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। पॉपकॉर्न पर लगाए गए टैक्स के बाद सोशल मीडिया में व्यंग्य और मीम्स की बाढ़ आ गई है। सारी दुनिया में भारत का पापकार्न ट्रेंड कर रहा है। जनता सरकार के इस फैसले से काफी नाराज है। गरीबों और मध्यम वर्ग की दैनिक उपयोग की जरूरतों पर जमीनी हकीकत से विपरीत भारी टैक्स लगाया जा रहा है। मेदू बड़ा और पानी कफन और अन्य चीजों पर जो टैक्स लगा है। इस पर जनता ने सरकार का मजाक उड़ाना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही जनता का विरोध भी देखने को मिल रहा है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस इसे वैसे ही गब्बर सिंह टैक्स नहीं कहती है। सरकार ने भी अब यह साबित करना शुरू कर दिया है कि यह वास्तव में गब्बर सिंह टैक्स ही है। जीएसटी कानून में सरकार ने हजारों संशोधन कर दिए हैं। एक ही उत्पाद पर अलग-अलग टैक्स दरों की वसूली की जा रही है। प्रणाली में वर्गीकरण की खामियों से कर चोरी जैसे गंभीर मुद्दे हैं। गरीब और मध्यम वर्ग से भारी टैक्स वसूल किया जा रहा है। हाल की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में 2।01 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी की चोरी दर्ज हुई है। उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी कर ज्यादा टैक्स वसूल किया गया है।

जीएसटी प्रणाली को जनता के लिए सरल और व्यापारियों के लिए सुगम बनाने का सपना दिखाया गया था। उत्पादों पर टैक्स दर तय करते समय जटिलता खत्म करनी होगी एक देश, एक टैक्स के वादे को वास्तविकता में बदलने के लिए अन्य टैक्स खत्म करने होंगे सरकार जीएसटी के वर्तमान कानून के सुधार पर विचार करे।पॉपकॉर्न टैक्स का यह विवाद केवल टैक्स का मुद्दा नहीं है। यह जनता और सरकार के बीच इस टैक्स को लेकर लगातार असमंजस और विरोध बढ़ता चला जा रहा है। जीएसटी के कारण हर चीज महंगी हो गई है। हर स्तर पर इसमें बार-बार टैक्स लग रहा है। एक ही वस्तु पर कई तरह के टैक्स दर होने से उपभोक्ता को लूटा जा रहा है। कराधान का उद्देश्य राजस्व जुटाने के साथ-साथ जनता को राहत देना भी है। सरकार को सुनिश्चित करना होगा, उसकी नीतियां जनता के हितों के अनुरूप हों। सरकार को गरीब एवं मध्यमवर्ग की जरूरतों को समझना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

31 दिसंबर को खुलेगा इंडो फार्म इक्विपमेंट का आईपीओ, 14,835 का करना होगा निवेश

मुंबई। इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) 31 दिसंबर को खलेगा। निवेशक इसके लिए 2 जनवरी तक बिडिंग (बोली) लगा सकते हैं। 7 जनवरी को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे। क्रिसमस के चलते आज शेयर बाजार बंद है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी टोटल 260.15 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 184.90 करोड़ रुपए के 86,00,000 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। वहीं, इंडो फार्म इक्विपमेंट के मौजूदा निवेशक 75.25 करोड़ रुपए के 35,00,000 शेयर बेच रहे हैं। इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड ने आईपीओ का प्राइस बैंड 204-215 रुपए तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 69 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 215 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय किया जाता है तो इसके लिए 14,835 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 897 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 1,92,855 इन्वेस्ट करने होंगे।

आकाश के स्पार्कल को जोमैटो और जेरोधा से मिली सहायता

(एजेंसी)

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज के प्रमोटर आकाश चौधरी को अपने नए वेंचर स्पार्कल एडवेंचर के लिए जोमैटो के दीपिंदर गोयल और जेरोधा के नितिन कामथ से सहायता मिली है। एक रिपोर्ट के अनुसार कामथ का रेनमैटर फंड, जो फिनटेक और सस्टेनबिलिटी पर अपने फोकस के लिए जाना जाता है, गोयल के साथ 4 मिलियन डॉलर के सीड फंडिंग राउंड में भाग ले रहा है। एडिशनल मार्की निवेशकों के भी इस राउंड में शामिल होने की उम्मीद है। आकाश ने इस साल अक्टूबर में मेरिटनेशन डॉट कॉम के संस्थापकों पवन चौहान और रितेश हेमराजानी के साथ साझेदारी में स्पार्कल लॉन्च किया। मेरिटनेशन, एक एडटेक प्लेटफॉर्म है, जिसे चौधरी के फैमिली बिजनेस, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने साल 2020 में अधिग्रहित किया था। यह इस सहयोग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। यह वेंचर 2021 में एईएसएल की बायजू को 950 मिलियन डॉलर की ऐतिहासिक बिक्री के बाद है, जो भारत के सबसे बड़े एडटेक सौदों में से एक है। चौधरी के पास एईएसएल में 11 फीसदी की हिस्सेदारी है। स्पार्कल का लक्ष्य 6 से 12वीं कक्षा के छात्रों को ऑनलाइन ट्यूशन देना है, जिसमें इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (आईबी) और कैम्ब्रिज पाठ्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

विस्तार करने की योजना

अब अपनी तकनीकी क्षमताओं का लाभ उठाकर आगे विस्तार करने की योजना बना रहा है। एक सूत्र ने कहा, प्लेटफॉर्म को शुरू में 2025 में लॉन्च करने की योजना थी, लेकिन तय समय से पहले उत्पाद तैयार होने के कारण, समयसीमा को तेजी से आगे बढ़ाया गया। सीड फंडिंग से स्पार्कल के रोलआउट में तेजी आने की उम्मीद है।

ट्रायम्फ ने किया स्पीड ट्विन 900 का अपडेटेड वर्जन भारत में लॉन्च

नई दिल्ली। ट्रायम्फ मोटरसाइकिल इंडिया ने अपनी पॉपुलर मॉडर्न क्लासिक बाइक, स्पीड ट्विन 900, का अपडेटेड वर्जन भारतीय बाजार में लॉन्च किया है। यह बाइक 8.89 लाख एक्स-शोरूम की कीमत पर उपलब्ध होगी, जो पिछले मॉडल की तुलना में 40 हजार ज्यादा है। बाइक में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ नेविगेशन, कॉल और म्यूजिक कंट्रोल जैसे स्मार्ट फीचर्स जोड़े गए हैं। इसके अलावा डिजाइन में छोटे लेकिन आकर्षक बदलाव किए हैं। इंजन में कोई तकनीकी बदलाव नहीं किए गए हैं। 2025 स्पीड ट्विन 900 को तीन नए डुअल-टोन कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। इस बाइक में वही 900 सीसी का पावरफुल इंजन मिलता है, जो पहले से ही परफॉर्मेंस के लिए मशहूर है। इसका क्लासिक लुक और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का मेल इसे खास बनाता है।

एयरटेल ने अक्टूबर 2024 में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक वायरलेस ग्राहक जोड़े : ट्राई डेटा

इन्दौर।

भारती एयरटेल (एयरटेल) ने अक्टूबर 2024 में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्कल में सबसे अधिक वायरलेस ग्राहक जोड़े। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एयरटेल ने इस क्षेत्र में 214,381 वायरलेस सब्सक्राइबर जोड़े, जिससे इसके कुल सब्सक्राइबर की संख्या 16,408,516 हो गई है। जहां मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्कल में एयरटेल अधिकतम सब्सक्राइबर जोड़ने वाला प्रमुख ऑपरेटर बना, वहीं इसके बाद सरकार द्वारा संचालित बीएसएनएल ने 32,303 सब्सक्राइबर जोड़े। अन्य निजी ऑपरेटरों जैसे वोडाफोन-आइडिया और रिलायंस जियो ने इसी अवधि में क्रमशः 347,436 और 721,481 वायरलेस सब्सक्राइबर गंवाए। पूरे देश में एयरटेल ने अक्टूबर 2024 में सभी टेलीकॉम सर्कल में कुल 19,28,263 वायरलेस सब्सक्राइबर जोड़े। इसके साथ ही, इसके कुल वायरलेस सब्सक्राइबर की संख्या 31 अक्टूबर 2024 तक 385,410,746 हो गई। यह वृद्धि एयरटेल की ग्राहक अधिग्रहण और बाजार विस्तार में निरंतर बढ़त को दर्शाती है। ट्राई रिपोर्ट के अनुसार एयरटेल के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्कल में 99.42 प्रतिशत के उच्चतम विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) को भी दर्शाती है, जबकि इसके कुल वीएलआर प्रतिशत 99.48 प्रतिशत रहा, जो टेलीकॉम उद्योग में सबसे अधिक है। ये आँकड़े एयरटेल के उत्कृष्ट नेटवर्क और विश्वसनीयता को प्रमाणित करते हैं, जिससे यह एक विश्वसनीय टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर के रूप में अपनी स्थिति और सुदृढ़ करता है। टेलीकॉम उद्योग में अक्टूबर 2024 के अंत तक वायरलेस सब्सक्राइबर की कुल संख्या में गिरावट देखी गई, जो सितंबर 2024 के अंत में 1153.72 मिलियन से घटकर 1150.42 मिलियन हो गई।

एयरटेल का बाजार हिस्सा 33.50 प्रतिशत रहा, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी एयरटेल द्वारा ग्राहकों को आकर्षित और उन्हें अपने नेटवर्क पर बनाए रखने की क्षमता को प्रदर्शित करता है।

क्रिसमस पर बुधवार को बंद रहा शेयर बाजार

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को क्रिसमस के कारण बंद रहा। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में कोई कारोबार नहीं होगा। वहीं, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और नेशनल कमोडिटी एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) में भी छुट्टी रही। आज बाजार में इस साल की आखिरी छुट्टी है। इससे पहले 15 नवंबर को गुरु नानक जयंती की छुट्टी के चलते बाजार बंद था। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। 24 दिसंबर को सेंसेक्स 67 अंक की गिरावट के साथ 78,472 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी भी 25 अंक गिरा, ये 23,727 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, बीएसई स्मॉलकैप 205 अंक की तेजी के साथ 55,023 के स्तर पर बंद हुआ था।

ई-कॉमर्स में उभर रही चुनौतियों से निपटने नए ऐप लॉन्च

नई दिल्ली । उपभोक्ता मामलों के विभाग ने उपभोक्ता संरक्षण को बढ़ावा देने और भ्रामक ऑनलाइन प्रथाओं से निपटने के लिए नए ऐप लॉन्च किए। ये ऐप डिजिटल उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने और ई-कॉमर्स में उभर रही चुनौतियों से निपटेंगे। ये नए उपाय सरकार की उपभोक्ता सशक्तिकरण और डिजिटल परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं। इन ऐप के माध्यम से केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की क्षमता काफी बढ़ जाएगी और उसे डार्क पैटर्न्स के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर ग्राहकों की रक्षा करने में सहायता मिलेगी। जागो ग्राहक जागो ऐप उपभोक्ता की ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सभी यूआरएल के बारे में आवश्यक ई-कॉमर्स जानकारी प्रदान करता है और उन्हें सचेत करता है कि कोई यूआरएल असुरक्षित हो सकता है और सावधानी बरतने की आवश्यकता है। वहीं, जागृति ऐप यूजर्स को उन यूआरएल की रिपोर्ट करने में मदद करता है, जहां उन्हें उन एक या अधिक डार्क पैटर्न की उपस्थिति का संदेह है, जिन्हें अवैध घोषित किया गया है। जागो ग्राहक जागो ऐप उपभोक्ताओं को ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, जिससे वे संभावित असुरक्षित वेबसाइटों की पहचान कर सकते हैं। यह ऐप ऑनलाइन खरीदारी के जोखिमों के प्रति सतर्क करता है, उपभोक्ताओं को जागरूकता बढ़ाने और सूचित निर्णय लेने में मदद करता है। जागो ग्राहक जागो ऐप किसी उपभोक्ता की ऑनलाइन एक्टिविटीज के दौरान के सभी यूआरएल यानी लिंक के बारे में ई-कॉमर्स से जुड़ी जानकारी देता है और अगर कोई यूआरएल असुरक्षित लगे तो उपभोक्ता को चेतावनी जारी करता है। वहीं, जागृति ऐप से यूजर को यह सहूलित मिलेगी कि अगर उसे लगे कि किसी यूआरएल के साथ कोई अवैध डार्क पैटर्न होने का शक है तो वह इसकी रिपोर्ट इस ऐप के जरिए दे सकेगा। ऐसी रिपोर्ट को सीसीपीए शिकायत के रूप में दर्ज करेगा और कार्रवाई करेगा।

बजट 2025 में कस्टम ड्यूटी छूट खत्म करने पर विचार कर रहा वित्त मंत्रालय!

(एजेंसी)

वित्त मंत्रालय बजट 2025 में कई आयातित सामानों पर कस्टम ड्यूटी छूट खत्म करने पर विचार कर रहा है। यह कदम 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत देश में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उठाया जा रहा है। जिन सामानों पर यह छूट खत्म हो सकती है, उनमें इंसुलिन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले बल्क ड्रग्स, लैब में बने डायमंड के लिए कच्चा माल, ऑप्टिकल फाइबर बनाने के लिए प्लास्टिक, एलईडी और एलसीडी टीवी के पैनल पार्ट्स और कोयला खनन व बिजली उत्पादन के उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा, सरकार जीवन रक्षक दवाओं, टेलीकॉम ऑप्टिकल फाइबर के लिए जरूरी केमिकल और नवीकरणीय ऊर्जा व परिवहन क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले सामानों की भी समीक्षा कर रही है। अभी इन सामानों पर 0-5त्न की रियायती दर से कस्टम ड्यूटी लगती है। यह छूट सितंबर 2025 तक वैध है। सरकार इन छूटों को हटाने से पहले यह देख रही है कि देश में इन सामानों का उत्पादन और निवेश क्षमता कितनी है। इस पर उद्योगों से सुझाव भी मांगे गए हैं, ताकि फैसला लिया जा सके कि यह छूट जारी रखनी चाहिए या खत्म करनी चाहिए। यह फैसला आयात पर निर्भरता कम करने और देश में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। इससे पहले के बजट में स्टील और तांबे की उत्पादन लागत घटाने के लिए कुछ कच्चे माल पर शुल्क हटाया गया था। मेडिकल डिवाइस बनाने के लिए भी कुछ सामानों पर कस्टम ड्यूटी कम की गई थी। अमेरिका के साथ व्यापारिक रिश्तों और बदलते वैश्विक माहौल का भी इस समीक्षा पर असर पड़ रहा है। सरकार का यह कदम न केवल घरेलू उत्पादन को मजबूत करेगा, बल्कि जरूरी क्षेत्रों को सुरक्षा भी देगा।

कंपनियां करें कॉलिंग-एमएसएस पर फोकस, सस्ते रिचार्ज का मिलेगा ऑप्शन

ट्राई ने जियो, एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल को दिया आदेश

नई दिल्ली।

जियो, एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल यूजर्स को जल्द ही सस्ते रिचार्ज का ऑप्शन मिल सकता है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने सभी टेलीकॉम ऑपरेटर्स से कंज्यूमर्स के लिए कॉलिंग और एमएसएस फोकस प्लान्स लॉन्च करने के लिए कहा है, जिसमें वैलिडिटी भी मिलती हो। टेलीकॉम ऑपरेटर्स के पोर्टफोलियो पर नजर डालें तो इसमें सभी प्लान्स डेटा पर फोकस्ड मिलते हैं यानी इसमें कॉलिंग, एसएमएस और डेटा तीनों मिलता है। ऐसे में कई यूजर्स जिन्हें डेटा नहीं चाहिए होता है, उन्हें भी डेटा के लिए भुगतान करना पड़ता है। इस तरह का प्लान ना होने की वजह से जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के यूजर्स को अपना सिम एक्टिव रखने के लिए हर महीने करीब 200 रुपए खर्च करने होते हैं। वहीं कुछ ऐसे यूजर्स भी हैं, जिन्हें लॉन्ग टर्म प्लान्स चाहिए होता है। आपको ऐसा लॉन्ग टर्म प्लान नहीं मिलेगा, जो सिर्फ कॉलिंग और एसएमएस पर फोकस्ड करता हो।

ट्राई ने 23 दिसंबर को जारी अपने आदेश में कहा कि टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स को ऐसे एसटीवी जारी करने होंगे, जो सिर्फ वॉयस कॉलिंग और एसएमएस की सुविधा के साथ आते हों, जिससे कंज्यूमर्स सिर्फ उस सर्विस के लिए ही भुगतान करें, जो वह यूज करते हैं। इसका टेलीकॉम कंपनियों के कारोबार पर बड़ा असर पड़ेगा। ट्राई ने पहले भी इस पर कंपनियों से सुझाव मांगा था, जिसमें टेलीकॉम कंपनियों ने इसका विरोध किया था। कंपनियों का कहना था कि इस तरह के किसी नए प्लान की जरूरत नहीं है। कंज्यूमर्स के लिए ऐसे प्लान्स पहले से ही मौजूद हैं। बता दें कि टेलीकॉम कंपनियों ने कुछ साल पहले ही लाइफटाइम फ्री इनकमिंग की सुविधा खत्म कर दी है। इसके बाद ग्राहकों को अपना सिम कार्ड एक्टिव रखने के लिए हर महीने मिनिमम रिचार्ज करना होता है। वहीं इस साल जुलाई में टेलीकॉम कंपनियों ने अपने रिचार्ज प्लान्स की कीमतों में भी वृद्धि की है। इसकी वजह से कंज्यूमर्स को करीब 200 रुपए हर महीने सिर्फ सिम एक्टिव रखने के लिए खर्च करने होते हैं। वहीं सभी प्लान्स में डेटा दिया जाता है। ऐसे में जिन यूजर्स को डेटा की जरूरत नहीं होती है, उन्हें भी इस सर्विस के लिए भुगतान करना पड़ता है। वहीं बीएसएनएल में 30 दिनों का प्लान 147 रुपए का आता है, जिसमें यूजर्स को कॉलिंग और एसएमएस के साथ 10जीबी डेटा मिलता है। ऐसे यूजर्स जिन्हें इस डेटा की जरूरत नहीं है, उन्हें भी इसके लिए भुगतान करना होता है।

एफएमसीजी उद्योग पर महंगाई का असर जारी : रिपोर्ट

नई दिल्ली:

मुद्रास्फीति के दबाव के बीच बढ़ती मंदी से इस साल अगस्त-अक्टूबर में दैनिक उपभोग की वस्तुओं के (एफएमसीजी) उद्योग की मात्रा वृद्धि सालाना आधार पर 6.4 प्रतिशत से घटकर 4.3 प्रतिशत रह गई है। शोध एवं अंतर्दृष्टि कंपनी कांतार ने अपनी नवीनतम 'एफएमसीजी पल्स' रिपोर्ट में कहा, इसके अलावा मई-जुलाई की अवधि में एफएमसीजी मात्रा की वृद्धि भी क्रमिक रूप से कम 4.5 प्रतिशत रही। रपोर्ट के अनुसार, ''हम आखिरी तिमाही में हैं और अक्टूबर को समाप्त तिमाही तक एफएमसीजी की वृद्धि 4.3 प्रतिशत रही, पिछले वर्ष समान अवधि में वृद्धि 6.4 प्रतिशत रही थी। हालांकि मई-जुलाई की तिमाही की तुलना में इसमें मामूली बढ़त दर्ज की गई जब वृद्धि 4.5 प्रतिशत रही थी। मुद्रास्फीति के बारे में रिपोर्ट में कहा गया, 2022 की अगस्त-अक्टूबर अवधि में पहली बार प्रति परिवार औसत तिमाही खर्च 6,000 रुपए को पार कर गया था और तब से दो साल बाद खर्च में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2024 में इस तिमाही में यह 6,761 रुपए रहा। ग्रामीण बाजार के बारे में कांतार ने कहा, यह भी चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ ''कमजोर प्रदर्शन'' कर रहा है, जो अगस्त-अक्टूबर की अवधि में शहरी बाजार की 4.5 प्रतिशत की वृद्धि से भी कम है।

अडानी ने खरीदी एयर वर्क्स इंडिया में मैजोरिटी हिस्सेदारी, 400 करोड़ में हुई डील

कंपनी देश की दिग्गज एयरलाइंस कंपनियों को देती हैं सेवाएं

नई दिल्ली। बीते कुछ महीनों में भारत के उद्योगपति गौतम अडानी अमेरिकी के लगाए गए आरोपों के चलते विवादों में रहे, लेकिन इस बीच उनका फोकस पूरी तरह कारोबार के विस्तार पर था। अब साल के आखिर में अडानी ग्रुप ने एक बड़ी डील की है। इसके तहत अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने एयर वर्क्स इंडिया में मैजोरिटी हिस्सेदारी खरीदी है। गौतम अडानी ने जिस एयर वर्क्स कंपनी की अधिग्रहण किया है, वह भारत की प्रमुख प्राइवेट एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस कंपनी है। यह अधिग्रहण अडानी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने किया है और इसके साथ ही कंपनी की एंट्री विमान मैंटिनेंस, रखरखाव और ओवरहाल इंडस्ट्री में हो गई है। अडानी ग्रुप के मुताबिक ये पूरी डील 400 करोड़ में हुई है। इस 400 करोड़ रुपए की डील के जरिए अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने एयर वर्क्स में 85.8 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है और एग्रीमेंट साइन किए हैं। इस संबंध में अडानी ग्रुप की ओर से एक बयान जारी किया गया है जिसमें कहा है कि एडीएसटीएल ने देश की सबसे बड़ी प्राइवेट एमआरओ कंपनी एयर वर्क्स में मैजोरिटी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए डील की है। एयर वर्क्स इंडिया की स्थापना साल 1951 में की गई थी और ये देश की दिग्गज एयरलाइंस कंपनियों को सेवाएं देती है। इसकी कस्टमर लिस्ट में इंडिगो और विस्तारा जैसे नाम शामिल हैं। इसके अलावा लुफ्थांसा, टर्किश एयरलाइंस समेत एतिहाद जैसी इंटरनेशनल एयरलाइंस भी इससे सर्विसेज लेती हैं। इसके साथ ही एयर वर्क्स इंडियन नेवी और एयरफोर्स के विमानों की भी देखरेख करती है।

कभी दुनिया के टॉप-3 अमीरों में शामिल गौतम अडानी की 10 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्टेड हैं और उनका कारोबार घर की रसोई से लेकर एयरपोर्ट्स तक फैला हुआ है। अडानी की नेटवर्थ ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक, 75 अरब डॉलर है और इस आंकड़े के साथ दुनिया के टॉप अरबपतियों की लिस्ट में वे 19वें पायदान पर हैं। बीते 24 घंटे में उनकी संपत्ति में 249 मिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है।

रिलायंस के जरिए भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही चीन की ई-कॉमर्स कंपनी शीन

मुंबई ।

एप आधारित चीनी ई-कॉमर्स कंपनी शीन अब रिलायंस रिटेल में साझेदारी के जरिये भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अजियो पर शीन ने अपने कपड़ों के ताजा कलेक्शन की टेस्टिंग और कैटलॉगिंग भी शुरू कर दी है।

रिलायंस इस ब्रांड को अपने अन्य प्लेटफॉर्म तक भी ले जाएगी। इससे भारतीय बाजार में रिलायंस की फास्ट-फैशन सेगमेंट में टाटा समूह के जुडियो और फ्लिपकार्ट के मिंत्रा के साथ प्रति स्पर्धा और बढ़ेगी। वहीं उपभोक्ताओं को अधिक वैरायटी मिलेगी। सरकार ने साल 2020 में भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर बढ़ते तनाव के बीच ही शीन सहित 50 चीनी एप पर प्रतिबंध लगा दिया था।

शीन की हालांकि भारतीय डेटा तक पहुंच नहीं रहेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि शीन का संचालन देश के एक स्वदेशी रिटेल प्लेटफॉर्म पर होगा। शीन उसक समय भारतीय बाजार में दोबारा प्रवेश कर रहा है, जब उसके राजस्व में कमी देखी गई है। इस साल की पहली छमाही शीन का राजस्व गत वर्ष के 40 फीसदी से घटकर 23 फीसीदी रह गया है। रेडसीर स्ट्रेटजी कंसल्टेंट्स के मुताबिक भारत में गत वित्त वर्ष में फास्ट फैशन सेगमेंट में 40 फीसदी बढ़त हुई है। ये कुल रिटेल सेगमेंट की 6 फीसदी ग्रोथ से 5 गुना है। 2031 तक यह बाजार 4.5 लाख करोड़ का होगा। शीन ने गत वर्ष 3.83 लाख करोड़ के कपड़े बेचे एप बेस्ड ई-कॉमर्स कंपनी शीन की 170 से अधिक देशों में मौजूदगी है। 5.3 करोड़ यूजर्स हैं।

कम खर्च पर एयर प्यूरीफायर्स फार होम क्रय करने का है अच्छा अवसर

मुंबई ।

ग्राहक के पास कम खर्च पर एयर प्यूरीफायर्स फार होम अमेजन डील्स की मदद से खरीदने का अच्छा अवसर हैं। इनमें से कुछ प्यूरीफायर ऐसे हैं जो रियल टाइम कलर इंडिकेशन को दिखाते हैं और फिल्टर को चेंज करने का मैसेज भी आपको इनमें दिखने लगता है अगर वह खराब हो जाता है या फिर इसमें कोई कमी होती है।

इस पर 7 साल की वारंटी तो मिल ही रही है इसके साथ यह एक ऐसा प्यूरीफायर है जिसमें आपको सबसे लंबा और ज्यादा दिनों तक चलने वाला फिल्टर मिलता है। यह स्पेशल ट्रू हेपा फिल्टर वाला एयर प्यूरीफायर है जिसमें 99.99 प्रतिशत वायरस और छोटे-छोटे पॉल्यूटेंट आसानी से कैद कर लिए जाते हैं। यह एक ऐसी कंपनी का एयर प्यूरीफायर है जिसके बारे में आपको ज्यादा बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि डेसन एयर प्यूरीफायर न केवल अपने नाम के लिए जाना जाता है बल्कि इससे साफ होकर निकलने वाली हवा अन्य प्यूरीफायर के मुकाबले ज्यादा साफ मानी जाती है। रिमोट कंट्रोल की मदद से आप इस एयर प्यूरीफायर को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ब्रैंड की ओर से इस पर 2 साल की वारंटी भी दी जा रही है। 3 इन1 फिल्टर से लैस यह एयर प्यूरीफायर घर और ऑफिस दोनों के लिए बेस्ट बताया गया है।

इसमें प्री फिल्टर, एच13 का हेपा फिल्टर और एक्टिवेटेड कार्बन फिल्टर भी मिल जाएगा। 99.99 प्रतिशत पॉल्यूटेंट्स, अलर्जेंस, पेट्स हेयर को बड़ी ही आसानी से ये एयर प्यूरीफायर दूर कर सकता है। इसमें स्मोक, डस्ट और पोलेंस को दूर करने की भी खासियत है। यह एयर प्यूरीफायर 22 स्क्वायर मीटर तक की कवरेज करके इतनी दूरी तक की हवा को साफ रख सकता है। व्हाइट कलर की बॉडी वाला यह एयर प्यूरीफायर्स फार होम अलर्जी के लिए बेस्ट बताया गया है। इसको आप बेडरूम में इस्तेमाल करने के लिए जरूर खरीद सकते हैं। इस एयर प्यूरीफायर में आपको टेक्नोलॉजी का ब्लेंड भी देखने को मिलता है। यह कमरे की गंदी बदबू को दूर करने के लिए इसमें लगे हुए ओडोर एलिमेनेटर्स की मदद से बदबूदार हवा को भी दूर भगा देता है।

यह एयर प्यूरीफायर 99.97 प्रतिशत डस्ट और स्मोक मोल्ड पोलेन को भी दूर करता है। 480 स्क्वायर फीट तक की कवरेज एरिया में हवा को साफ करने में सक्षम माने जाने वाले इस एयर प्यूरीफायर 360 डिग्री का रोटेशन मिलता है। यह 99.97 प्रतिशत डस्ट पार्टिकल्स को दूर कर सकता है।

मस्क की संपत्ति 474 अरब डॉलर पर पहुंची

लास वेगास ।

टेस्ल के प्रमुख एलन मस्क की संपत्ति 474 अरब डॉलर तक पहुंच गयी है। मंगलवार को मस्क की कंपनी के शेयर बढ़ने से उनपर एक प्रकार से डॉलर की बारिश हुई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार उनकी संपत्ति एक ही दिन में 22 अरब डॉलर उछल कर 474 अरब डॉलर पर पहुंच गई। अब मस्क 500 अरब डॉलर के आंकड़े से केवल 26 अरब डॉलर दूर हैं। जिस प्रकार से उनकी कंपनी के शेयर ऊपर जा रहे हैं उससे तय है कि मस्क साल 2024 में ही 500 अरब डॉलर के मुकाम तक पहुंच जाएंगे। मंगलवार 24 दिसंबर को टेस्ला के शेयरों में आए 7.35 फीसदी उछाल से उनके शेयर में जबरदसत उछाल है। अमेजन के मालिक जेफ बेजोस की जीवन भर की कमाई के लगभग बराबर कमाई मस्क ने केवल साल 2024 में ही कर ली है। इस साल अब तक मस्क के नेटवर्थ में 245 अरब डॉलर की तेजी रही है। जबकि बेजोस का कुल नेटवर्थ 248 अरब डॉलर ही है। इस साल बेजोस ने भी 70.70 अरब डॉलर अपने नेटवर्थ में जोड़ चुके हैं। इस साल कमाई के मामले में मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग दूसरे नंबर पर हैं। इनका नेटवर्थ इस साल अबतक 86.8 अरब डॉलर बढ़कर 215 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। टॉप-10 अरबपतियों में बर्नार्ड अर्नाल्ट ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्हें इस साल सबसे अधिक नुकसान हुआ है। उन्होंने इस साल 31.8 अरब डॉलर गंवाए हैं और वह सूची में

सबसे नीचे हैं। वहीं गौतम अडानी और मुकेश अंबानी को नुकसान हुआ है। दोनों 100 अरब डॉलर क्लब से बाहर तो हुए ही हैं, साथ ही दुनिया के टॉप-15 अरबपतियों में भी इन्हें जगह नहीं मिली है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शास्त्री ने बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले की भविष्यवाणी, इस टीम पर लगाया जीत का दाव

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भविष्यवाणी की कि भारत मैच जीतेगा। उन्होंने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) में बॉक्सिंग डे टेस्ट का पहला दिन तय करेगा कि श्रृंखला किस दिशा में जाएगी। श्रृंखला 1-1 से बराबर होने के साथ दोनों पक्ष आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए एक महत्वपूर्ण श्रृंखला बढ़त हासिल करने के इरादे से बहुप्रतीक्षित बॉक्सिंग डे टेस्ट खेलेंगे।

शास्त्री ने एक न्यूज वेबसाइट से बातचीत में कहा, 'जिस तरह से यह श्रृंखला आगे बढ़ रही है, मुझे लगता है कि भारत इस श्रृंखला को जीत लेगा। टीम 1-1 से बराबरी पर है, खासकर जब खेल पर्थ, एडिलेड और ब्रिस्बेन में हो गए हैं, तो

वे इसे जीत लेंगे। बॉक्सिंग डे में 1-1 से आगे बढ़ना सबसे अच्छी स्थिति है। मैं कहूंगा कि भारत आगे है।'

शास्त्री ने कहा कि भारत यहां जीतने के लिए आया है, न कि संख्या बढ़ाने के लिए। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में जीतने के लिए एक टीम के पास अच्छी तरह से सोची-समझी योजना और तरीके होने चाहिए और केवल प्रतिस्पर्धा करने से मदद नहीं मिलती।

उन्होंने कहा, 'जब मैं कोच था, तब भी हमारा मंत्र बहुत कठिन, निष्पक्ष खेलना और जीतना था। आपको ऑस्ट्रेलिया को हराने के लिए एक तरीका सोचना होगा, न कि केवल प्रतिस्पर्धा करना। आपको ठीक से योजना बनानी होगी, कि अपने 20 विकेट कैसे लें। भारत ने ऐसा किया है और बहुत आक्रामक रहा है। वे ऑस्ट्रेलिया का सामना कर चुके हैं और जितना हो सके उतना अच्छा प्रदर्शन किया है। यह मनोरंजक और उत्साहपूर्ण रहा है। भारत आगे है। मुझे लगता है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट का पहला दिन तय करेगा कि सीरीज किस तरफ जाएगी।'

ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग 11 = उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुस्चगने, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिच मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड

भारतीय टीम = रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रित बुमरा (वीसी), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुबमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, मो. सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, देवदत्त पडिक्कल, तनुश कोटियन।

बुमराह आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 904 रेटिंग अंकों के साथ ही शीर्ष पर पहुंच गये हैं। बुमराह ने ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अब तक कुल 21 विकेट लिए हैं और इसके कारण ही वह नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। उनके दूसरे स्थान पर चल रहे प्रतियोगी से 48 रेटिंग अंक अधिक हैं।

वहीं दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा 856 रेटिंग अंक लेकर दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया के जॉश हेजलवुड 852 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। पैट कमिंस 822 रेटिंग अंक के साथ चौथे, आर अश्विन 789 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर है। इसके अलावा मैट हैनरी (782) छठे, नाथन लायन (770) सातवें, प्रभात जयसूर्या (768) आठवें, नोमान अली (759) नौवें और रवींद्र जडेजा (755) रेटिंग अंक के साथ दसवें स्थान पर है।

मोहम्मद सिराज एक स्थान के फायदे के साथ 24वें पायदान पर पहुंच गए हैं। जबकि बल्लेबाजी रैंकिंग में ट्रैविस हेड भारत के यशस्वी जायसवाल को छाड़ते हुए बल्लेबाजी चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर इंग्लैंड के जो रूट हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ भी शीर्ष 10 में शामिल हैं। स्मिथ ने पिछले मैच में 101 रनों की पारी खेली थी। जबकि 70 और 20 नाबाद रनों की पारी खेलने वाले ऐलेक्स कैरी 11 पायदान की छलांग के साथ 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

शैली में बदलाव के कारण रन नहीं बना पा रहे शुभमन : पोंटिंग

-रक्षात्मक तकनीक को बेहतर बनायें

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल अभी तक अपने इस ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रन बनाने में विफल रहे हैं। जिसके बाद से ही उनपर बड़ी पारी खेलने का दबाव है। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि शुभमन ने अपनी बल्लेबाजी शैली में पिछले कुछ समय में बदलाव किये हैं, इसलिए लिए वह विदेश दौरों पर असफल हो रहे हैं। उन्हें इससे उबरने अपना आत्मविश्वास बनाये रखना होगा इसके अलावा अपनी रक्षात्मक तकनीक को भी बेहतर करना होगा। गिल अंगूठे की चोट के कारण बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे। वहीं एडीलेड में दूसरे टेस्ट में वह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। ब्रिसबेन में तीसरे टेस्ट में भी वह पहली पारी में रन नहीं बना पाये।

पोंटिंग ने कहा, 'मुझे उसे खेलते देखना पसंद है। जब आप उसे अच्छी बल्लेबाजी करते देखें तो उसका कोई जवाब नहीं है पर विदेश में उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है। पोंटिंग ने कहा कि एडीलेड में दूसरे टेस्ट में उन्होंने इस युवा बल्लेबाज की तकनीक में काफी बदलाव देखे जिससे उनसे रन नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैने एडीलेड में उसे बल्लेबाजी करते देखा और लगा कि उसने काफी बदलाव कर लिया है। स्कॉट बोलैंड गेंदबाजी कर रहा था और उसने ऑफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर फ्रंट पैड आगे कर विकेट गंवा दिया।

पोंटिंग ने कहा कि शैली में बदलाव करने की जगह शुभमन को अपने आप पर भरोसा करके बल्लेबाजी में सुधार करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'उसे अपनी रक्षात्मक तकनीक को और बेहतर करना होगा जिससे ऑस्ट्रेलिया में वह रन बना सके। उसने अपने देश में या दुनिया में हर जगह आक्रामक होकर रन बनाए हैं। वह आउट होने के बारे में नहीं बल्कि रन बनाने के बारे में ही सोचता आया है। उसे उसी मानसिकता के साथ यहां भी खेलना चाहिये।

पिछली यादगार जीत को दोहराने मेलबर्न उतरेगी भारतीय टीम

मेलबर्न (एजेंसी)। आज से शुरु होने जा रहे चौथे टेस्ट मैच में भारतीय टीम में पिछली बार वर्ष 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में इसी मैदान पर मिली जीत के दोहराने के इरादे से उतरेगी। भारतीय प्रबंधन को इस टेस्ट में जीत दर्ज करने के लिए चुनौतीपूर्ण निर्णय लेने होंगे।

सीरीज के पिछले तीन मुकाबलों में देखा गया है कि भारतीय टीम शीर्षक्रम बल्लेबाजी को लेकर असमंजस की स्थिति रही। अब तक देखा गया है कि फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज ने इस सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, लेकिन खराब फॉर्म से जूझ रहे कप्तान रोहित शर्मा ने भारत के बल्लेबाजी क्रम को बिगाड़ दिया है। इस बॉक्सिंग डे टेस्ट में दो क्रिकेट दिग्गज रोहित शर्मा ,केएल राहुल के चरित्र, धैर्य और दृढ़ संकल्प की परीक्षा होगी। भारत अभी भी बुमराह के पर्याप्त समर्थन और खराब फॉर्म में चल रहे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से काफी अपेक्षा कर रहा है। बल्लेबाजी क्रम में खिलाड़ियों को बदलने के मामले में भारत के पास अधिक विकल्प नहीं हैं। इसलिए वे उम्मीद करेंगे कि कोई के एल राहुल का साथ दे और उनके साथ घंटों बल्लेबाजी कर सके।

अगर भारतीय टीम यह टेस्ट हारती है तो डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें अन्य मैचों के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। साथ ही एक दशक के बाद ऐसा होगा, जब ऑस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ कोई टेस्ट श्रृंखला जीतने के बेहद करीब होगा। वहीं अगर भारत को जीत मिलती है तो वे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को रिटेन कर लेंगे।

भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने केएल राहुल को छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने का सुझाव

दिया है। यह उन्हें पारी की शुरुआत में नई गेंद से बचायेगा और उन्हें दूसरी नई गेंद के खिलाफ मजबूती से खड़े हो सकेंगे। हालांकि इस रणनीति के अपने फायदे हैं, लेकिन इससे राहुल की लय को बिगाड़ने का भी जोखिम है, विशेषकर सलामी बल्लेबाज के रूप में उनकी सफलता को देखते हुए।

रोहित का शीर्ष पर स्थान अभी सुरक्षित लगता है, भले ही वह रन नहीं बना रहे हों। अगर राहुल नीचे आते हैं तो मध्यक्रम की गतिशीलता में काफी बदलाव आएगा। देखना होगा कि शुभमन गिल एकादश में अपना स्थान बरकरार रख पाते है या ध्रुव जुरेल को मौका मिलेगा।

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की अगुवाई में भारत के गेंदबाजी आक्रमण को अपनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मैदान की सतह पारंपरिक रूप से तेज गेंदबाजों के अनुकूल है, लेकिन 40 डिग्री सेल्सियस के चिलचिलाती गर्मी के पूर्वानुमान के कारण भारत को दूसरा स्पिनर शामिल करना होगा।

दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया भी शीर्षक्रम की बल्लेबाजी को लेकर परेशान है। ऑस्ट्रेलिया ने जसप्रीत बुमराह का मुकाबला करने के लिए अपनी सलामी जोड़ी में बदलाव करना पड़ा है। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया ने टीम में सैम कॉन्स्टास को जगह दी है। गेंदबाजी में पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क की जोड़ी किसी भी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने में सक्षम है। पूरी तरह से फिट और खेलने के लिए तैयार ट्रैविस हेड की वापसी से मध्य क्रम को मजबूती मिली है। स्टार्क और स्कॉट बोलैंड से इस पिच की उछाल पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में भारत का दिलचस्प इतिहास रहा है इस जगह हाल के वर्षों में कई यादगार भारतीय जीत देखी हैं, जिसमें प्रतिष्ठित 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान उनकी जीत भी शामिल है। भारत को इस मुकाबले में जीत दर्ज करने के लिए बल्ले और गेंद दोनों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम

भारत : यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी/वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, और मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलिया: उस्मान ख्वाजा, सैम कॉन्स्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और स्कॉट बोलैंड

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर रहेंगे शाहीन अफरीदी

कराची। पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी आगामी आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले पूरी तरह से तरोताजा होना चाहते हैं। इसी को देखते हुए शाहीन टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका दौरे पर नहीं जाना चाहते हैं। शाहीन ने टीम प्रबंधन और चयन समिति से कहा है कि दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए उन्हें शामिल नहीं किया जाये। अफरीदी फरवरी मार्च में होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये पूरी तरह फिट होना चाहते हैं। वहीं पाक टीम को दक्षिण अफ्रीका दौर में दो टेस्ट मैच खेलने हैं। ऐसे में शाहीन के नहीं होने से उसे परेशानी होगी पर मुख्य चयनकर्ता आकिब जावेद ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये उन्हें तरोताजा रखने की कवायद में आराम दिया जा सकता है। शाहीन ने टीम प्रबंधन और बोर्ड को बताया कि उन्हें बांग्लादेश प्रीमियर लीग की एक टीम से पेशकश भी मिली है और उन्होंने आश्वस्त किया है कि वह 30 दिसंबर से सात फरवरी तक होने वाली टी20 लीग के दौरान कार्यभार प्रबंधन कर लेंगे।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में राहुल बना सकते हैं रिकार्ड

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेाज केएल राहुल मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से यहां होने वाले एक चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में अगर शतक लग देते हैं तो एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर लेंगे। राहुल ने अब तक तीन मैचों में भारत की ओर से सबसे ज्यादा 235 रन बनाए हैं हालांकि इस दौरान वह कोई शतक नहीं लगा पाये। अब भारत को चौथा टेस्ट मैच मेलबर्न में खेला है और यहां पर केएल राहुल से भी अच्छी पारी की उम्मीद सबको है। वहीं अगर इस टेस्ट मैच में राहुल शतक लगा देते हैं तो वो बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा शतक लागने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में अब तक सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में केएल राहुल सचिन तेंदुलकर और अंजिक्य रहाणे के साथ संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हैं। तेंदुलकर और रहाणे ने भारत के लिए बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में दो-दो शतक लगाए थे। और राहुल के नाम भी दो शतक दर्ज हैं। अब मेलबर्न में अगर राहुल शतक लगा देते हैं तो वो भारत की तरफ से बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया से जीतने होंगे दोनो मैच

मुम्बई (एजेंसी)। अगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में कौन सी चार टीमें पहुंचेंगी। ये अभी तक तय नहीं हुआ है। फाइनल की रेस में भारत, ऑस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका जैसी टीमें हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीद अभी दो टेस्ट मैच होने हैं और भारतीय टीम को अगर सीधे फाइनल में जगह बनानी है तो इन दोनो को ही जीतना होगा।

अभी डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में दक्षिण अफ्रीका पहले नंबर पर है। दक्षिण अफ्रीका के 10 मैचों में से 6 जीत, तीन हार और एक ड्रॉ से 76 अंक हैं। उसका अंक प्रतिशत 63.33 है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया के 15 मैचों में 9 जीत, चार हार और 2 ड्रॉ से 106 अंक हैं। उसका अंक प्रतिशत 58.89 है। तीसरे नंबर पर मौजूदा भारत के 17 मैचों में 9 जीत, 6 हार और 2 ड्रॉ से 114 अंक हैं। भारत का अंकों का प्रतिशत 55.88 है। भारतीय टीम को अभी दो मैच ऑस्ट्रेलिया से खेलने हैं।

उधर श्रीलंकाई टीम पांचवें नंबर पर है पर

उसके भी फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं कम हैं। श्रीलंकाई टीम के 45.45 प्रतिशत अंक हैं और वह अधिकतम 53.85 प्रतिशत अंकों तक पहुंच सकती है। 48.21 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है, जो रेस से बाहर हो चुकी है। इंग्लैंड छठे, पाकिस्तान सातवें, बांग्लादेश आठवें और वेस्टइंडीज नौवें स्थान पर है।

भारतीय टीम के लिए ये है फाइनल का समीकरण

भारतीय टीम को आसानी से फाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों टेस्ट जीतने होंगे। यदि भारतीय टीम एक भी मुकाबला ड्रॉ कराती है या हारती है तो उसे दूसरे परिणामों पर निर्भर रहना होगा। यदि भारतीय टीम सीरीज को 2-1 से जीतती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की घरेलू सीरीज में कम से कम एक मैच को ड्रॉ करा ले। या फिर दक्षिण अफ्रीकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज हार जाए।

यदि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज 2-2 से ड्रॉ होती है, तो भारत 55.26 प्रतिशत अंकों पर समाप्त होगा। ऐसे में भारतीय टीम तभी फाइनल में पहुंचेगी जब श्रीलंका अपने घर पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 या 2-0 से जीत हासिल करे। या पाकिस्तानी टीम दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराए।

यदि मेलबर्न और सिडनी टेस्ट ड्रॉ रहते हैं तो भारतीय टीम 53.51 अंकों पर समाप्त करेगी। ऐसे में भारत तभी फाइनल में पहुंचेगा, जब दक्षिण अफ्रीका को पाकिस्तान के हाथों दोनों टेस्ट में हार मिले या श्रीलंकाई टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-0 से सीरीज जीते या 0-0 से बराबरी करे। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज 0-0 से बराबर होने पर ऑस्ट्रेलिया के भारत के समान 53.51 प्रतिशत अंक होंगे लेकिन इस चक्र में अधिक सीरीज जीतने के आधार पर भारत उससे आगे रहेगा। यदि श्रीलंका 2-0 से सीरीज जीतता है, तो वो भारत से आगे हो जाएगा।

सांता सिंह धोनी... पत्नी साक्षी और बेटी संग महान कप्तान ने मनाया क्रिसमसं

मुम्बई । भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी सांता क्लॉज बने और पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ क्रिसमस मनाया। इस दौरान धोनी के करीबी साथी भी मौजूद रहे। धोनी ने फुल सांता सूट पहना था। उन्होंने लंबे बूट्स पहनने के अलावा लंबी सफेद दाढ़ी भी लगा रखी थी। दिग्गज क्रिकेटर ने आउटफिट में एक अलग टच देने के लिए पीले रंग का चश्मा भी पहना। साक्षी सिंह धोनी द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में, पूर्व क्रिकेटर एक तस्वीर में अपनी पत्नी और बेटी के साथ पोज देते हुए दिखाई दिए, जबकि दूसरी तस्वीर में उन्होंने जीवा को गले लगाया था। क्रिसमस ट्री को बेहद खूबसूरती से सजाया गया था। इस पर गहने, सफेद फूल और ऊपर एक स्टार लगाया गया था। इसे पेड़ को खिड़की के पास रखा गया था। क्रिसमस ट्री के बेस पर रंग-बिरंगे कागज में लिपटे कई सारे उपहार रखे गए थे। धोनी ने एक तस्वीर में पेड़ के साथ पोज भी दिया। इस बीच, बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन और उनके कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया को भी जश्न मनाते देखा गया। कृति ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर धोनी के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। बहिया, जो यूके के एक व्यवसायी हैं, ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर पूरी गैंग की एक तस्वीर साझा की, जिसे कृति ने फिर से पोस्ट किया। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि यह जश्न किसके घर पर मनाया गया। बता दें कि 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, धोनी केवल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलते हैं। दरअसल, रोहित शर्मा के बाद धोनी पांच आईपीएल खिताब जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। कई बार आईपीएल जीतने वाले कप्तान, जिन्होंने आईपीएल 2024 से पहले कप्तानी छोड़ दी थी, अगली बार आईपीएल 2025 में दिखाई देंगे, जो अगले साल 14 मार्च से शुरू होने वाला है। धोनी आईपीएल 2025 के लिए सीएसके द्वारा रिटायर किए जाने वाले पांच खिलाड़ियों में से एक थे।

जुरेल ने 300 डॉलर का इनाम जीता

मेलबर्न । भारतीय टीम के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को अब तक इस सीरीज में खेलने का अवसर नहीं मिला है पर उन्हें अच्छी फिल्डिंग के कारण इनाम जरुर मिल गया है। जुरेल को बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले फील्डिंग ड्रिल में नकद पुरस्कार मिला है। जुरेल ने फील्डिंग कौशल को निखारने के लिए आयोजित एक अभ्यास सत्र के दौरान अन्य खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इसमें टीम प्रबंधन ने बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी के लिए 300 डॉलर का नकद पुरस्कार घोषित किया था जिसे जुरेल ने अपने बेहतरीन प्रयासों से जीता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभ्यास ड्रिल की एक क्लिप भी साझा की है। फील्डिंग अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों को तीन अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया। इसमें फील्डिंग कोच टी दिलीप ने बताया, आज के लक्ष्य में, आप तीन स्टंप देख सकते हैं। बड़े स्टंप पर एक अंक होगा, छोटे स्टंप पर दो अंक होंगे, बीच में गेंद पर चार अंक होंगे। हम आज कोण का उपयोग कर रहे हैं। आप तीन मार्कर देख सकते हैं। प्रत्येक मार्कर से, प्रत्येक छह गेंदें जाएगी। फील्डिंग कोच ने कहा कि ड्रिल आयोजित करने का उद्देश्य खिलाड़ियों को उनके निर्धारित नेट सत्र से पहले ऊर्जावान बनाना था।

'यह अंतिम सूची नहीं है', खेल रत्न पुरस्कार की अंतिम सूची में जोड़ा जाएगा मनु भाकर का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए अनुशंसित लोगों में मनु भाकर का नाम न होने के एक दिन बाद यह विश्वसनीय रूप से पता चला है कि केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया द्वारा कुछ दिनों में इस मामले पर निर्णय लिए जाने के बाद इसे अंतिम सूची में जोड़े जाने की संभावना है। कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई, लेकिन देश के शीर्ष खेल पुरस्कार के लिए प्रारंभिक सूची में केवल भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह और पेरिस पैरालिंपिक में पैरा हाई जंप स्वर्ण पदक विजेता प्रवीण कुमार का नाम शामिल था जिन्होंने तीन साल पहले टोक्यो में भी रजत पदक जीता था।

भाकर का नाम इस साल की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर इतिहास रचने के बाद औपचारिकता माना जा रहा था, पर विचार नहीं किया गया, जिसके कारण आलोचना हुई। खेल मंत्रालय और 12 सदस्यीय पुरस्कार समिति की आलोचना के बाद मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, 'यह अंतिम सूची नहीं है, इसमें एक प्रक्रिया शामिल है।'

पुरस्कार चयन समिति के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम हैं और इसमें पूर्व महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, मुक्केबाज विजेंदर सिंह और महान क्रिकेटर अनिल कुंबले जैसे अन्य लोग शामिल हैं। समिति को उन लोगों पर विचार करने का अधिकार है जो अपना आवेदन दाखिल करते हैं, लेकिन यदि आवश्यक हो, तो यह उन नामों पर चर्चा करने के लिए भी अधिकृत है जो उस सूची में शामिल नहीं हैं।

शूटिंग फेडरेशन (एनआरएआई) ने सचिव-खेल, सुजाता चतुर्वेदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि मंत्रालय 'असाधारण आधार' पर खेल रत्न के लिए भाकर पर विचार करे। एक रिपोर्ट में एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव ने कहा, 'हमें यह भी नहीं पता कि उसने आवेदन किया है या नहीं, लेकिन अगर उसने किया है, तो मुझे नहीं लगता कि समिति के पास उस पर विचार न करने का कोई कारण था। अगर उसने आवेदन नहीं किया है, तो समिति कुछ नहीं कर सकती थी। हमें उम्मीद है कि मंत्रालय हमारे दृष्टिकोण को समझेगा और उसे वह पुरस्कार देगा जिसकी वह पूरी तरह से हकदार है।'

पूरे मामले पर भाकर की प्रतिक्रिया

मनु भाकर ने 'एक्स' पर लिखा, 'सबसे प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए मेरे नामांकन को लेकर चल रहे मुद्दे के संबंध में मैं यह कहना चाहूंगी कि एक खिलाड़ी के रूप में मेरी भूमिका अपने देश के लिए खेलना और प्रदर्शन करना है। मुझे लगता है कि नामांकन दाखिल करते समय शायद मेरी ओर से कोई चूक हुई है जिसे ठीक किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'पुरस्कार और मान्यता मुझे प्रेरित करते हैं, लेकिन ये मेरा लक्ष्य नहीं हैं। पुरस्कार मिले या नहीं, मैं अपने देश के लिए और अधिक पदक जीतने के लिए प्रेरित रहूंगी। सभी से अनुरोध है कि कृपया इस पर अटकलें न लगाएं।'

पूर्व क्रिकेटर ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को बताया बुमराह का सामना करने का तरीका

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर साइमन कैटिच ने कहा है कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी समस्या रहे हैं। बुमराह ने ही तीनों टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। उनका सामना करने में ट्रेविस हेड सहित अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। कैटिच ने कहा है कि वह इस मामले में अपनी टीम की सहायता कर सकते हैं। कैटिज ने कहा है कि मेजबान टीम के बल्लेबाजों को बुमराह के खिलाफ सफल होने के लिए स्ट्राइक रोटेट करने के साथ ही रक्षात्मक तकनीक को भी बेहतर बनाना होगा। कैटिच ने कहा कि बुमराह शायद ही कभी ढीली गेंद फेंकते हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को अपना रुख सही रखते हुए एक तय रणनीति से उतरना होगा। कैटिच ने कहा कि, सभी बातें सकारात्मक रुख को लेकर हैं और इसका ध्यान उन्हें रखना होगा। इसके अलावा बुमराह जैसे गेंदबाज के खिलाफ केवल बाउंड्री लगाने पर ही ध्यान नहीं देना चाहिये। इसका कारण है कि वह बहुत खराब गेंद नहीं फेंकता। इसलिए सबसे अधिक अहम ये है कि स्ट्राइक रोटेट कर आराम से खेला जाये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

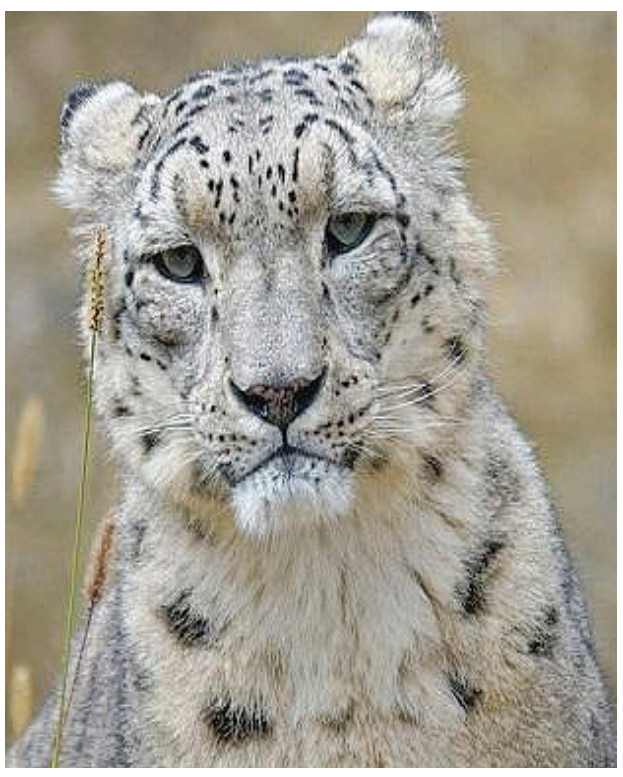

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉर्ट्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

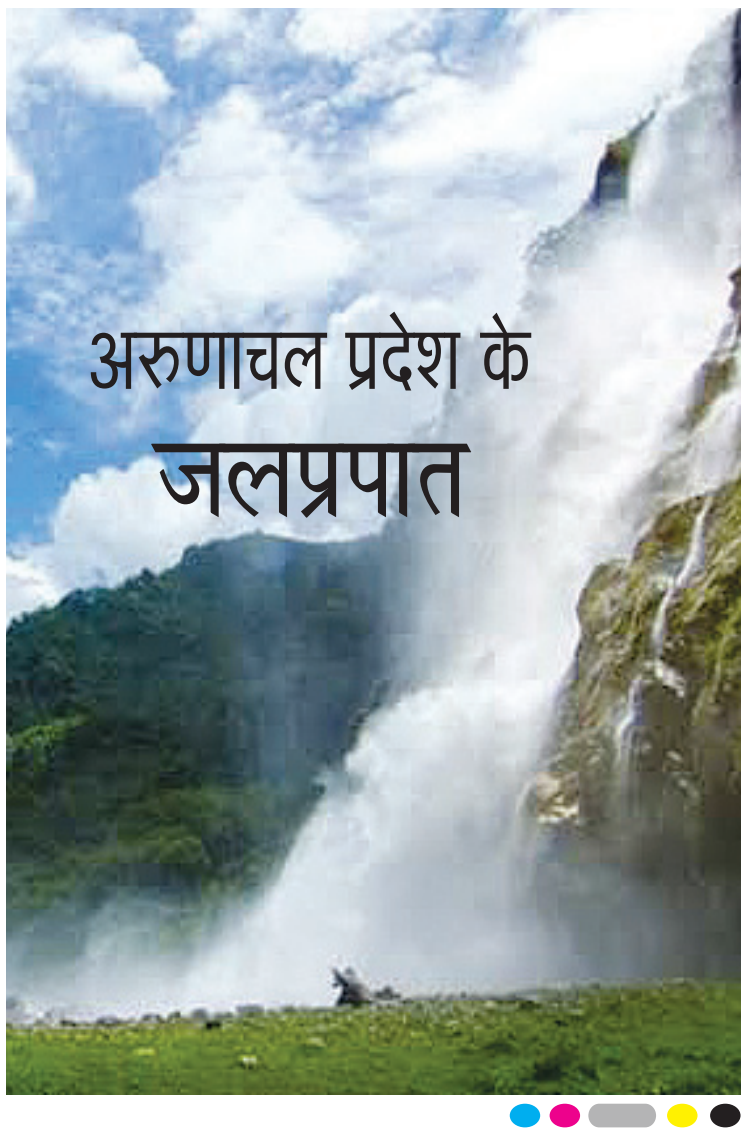

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई में 34 साल से रह रहा एक बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई की कफ परेड पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए गए एक अभियान में मोईन हयात बादशाह शेख (51) को गिरफ्तार किया है। वह घुसपैठ के जरिए भारत आया और 34 साल तक मुंबई में रहा। चौंकाने वाली जानकारी ये है कि उसने फर्जी दस्तावेजों से बने मतदाता पहचान पत्र का इस्तेमाल कर लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में मतदान भी किया था। पुलिस ने मोईन के पास से आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस समेत एक मोबाइल फोन जब्त किया है और आगे की जांच पुलिस कर रही है। बताया गया है कि अंबेडकरनगर इलाके से कफ परेड पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया मोईन 1990 में बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ कर मुंबई पहुंचा था। बांग्लादेश के चटगांव का रहने वाला मोईन महज 17 साल की उम्र में अवैध रूप से भारत आया था। मुंबई के घाटकोपर, परेल, कुर्ला, गोवंडी और ठाणे के मुंब्रा में रहकर मोईन ने बच्चों को उर्दू और कुरान की शिक्षा दी। वह वर्तमान में कफ परेड में रहता था। कफ परेड में वह एक बड़े होटल में मौलाना के रूप में विदेश से आने वाले मुस्लिम समुदाय के साथ नमाज़ पढ़ने में भाग लेता था। उसने मुंबई में फर्जी दस्तावेज बनाए। इन दस्तावेजों की मदद से उसने मतदान भी किया। मोईन के जब्त मोबाइल फोन से पुलिस को सारी जानकारी मिल गयी है। मोइन की पत्नी बांग्लादेश में हैं और उसका बेटा विदेश में पढ़ाई कर रहा है। वह अपने बच्चों और पत्नी को मुंबई से बांग्लादेशी मुद्रा में पैसे भेजता था। मोईन ने 2021 में बांग्लादेश का दौरा किया। जांच से पता चला कि वह कोलकाता से चटगांव तक सीमा पार करने के लिए एजेंटों को भुगतान कर रहा था।

कनाडा में मानव तस्करी, भारतीय संस्थाओं और कॉलेजों की जांच कर रही ईडी

नई दिल्ली। ईडी मानव तस्करी के जरिये कनाडा सीमा से भारतीय लोगों को अमेरिका भेजने से संबंधित धन शोधन से जुड़े मामले में कनाडा के कॉलेजों और भारतीय संस्थाओं की संलिप्तता की जांच कर रही है। ईडी ने जानकारी देते हुए कहा कि जांच गुजरात के डिंगुचा गांव के रहने वाले चार सदस्यीय भारतीय परिवार की मौत से जुड़ी है, जो 19 जनवरी, 2022 को अवैध रूप से कनाडा-अमेरिका सीमा पार करने की कोशिश में तेज ठंड के कारण मारे गए थे। ईडी ने मुख्य आरोपी भावेश अशोक भाई पटेल और कुछ अन्य के खिलाफ अहमदाबाद पुलिस की प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए पीएमएलए की आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। पटेल और अन्य पर आरोप है कि उन्होंने मानव तस्करी करके भारतीयों को अवैध रूप से कनाडा से अमेरिका भेजने की एक सुनियोजित साजिश रची थी। जांच में पहले पाया गया था कि इस मानव तस्करी गिरोह के हिस्से के रूप में आरोपी ने कनाडा स्थित कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अवैध रूप से अमेरिका जाने के चाह रखने वालों के लिए प्रवेश की व्यवस्था की थी।

मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला से दुष्कर्म मामले में आरोपी को मिली उम्र कैद

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले की एक कोर्ट ने 2021 में मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला से दुष्कर्म के मामले में एक व्यक्ति को उम्र कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एवी चौधरी-इनामदार ने आदेश में कहा कि विक्रमगाड इलाके में रहने वाले दशरथ मारूति (45) के खिलाफ आरोप साबित हो गए हैं। अतिरिक्त लोक अभियोजक अरुण मसराम ने कोर्ट से कहा कि दिसंबर 2021 में पीड़िता मनोर इलाके में अपने घर में सो रही थी और उसकी मां बाहर गई हुई थी, तभी आरोपी वहां पहुंचा और महिला से रेप किया। उसके बाद आरोपी ने धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। अप्रैल 2022 में महिला के गर्भवती होने का पता चला, जिसके बाद उसकी मां की शिकायत पर पुलिस ने रेप समेत विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया था। अभियोजक ने बताया कि परीक्षण के दौरान पीड़िता के भ्रूण का डीएनए आरोपी के डीएनए से मेल खा गया और इस सबूत को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और आरोपी को आजीवन कारावास की सजा के साथ 11 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया और निर्देश दिया कि यह राशि पीड़िता को मुआवजे के तौर पर दी जाए।

आर्मी वैन दुर्घटना में 5 जवानों की मौत, 4 जवानों की हालत गंभीर

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार शाम आर्मी वैन 350 फीट गहरी खाई में गिर गई। वैन में 18 जवान सवार थे। इसमें से 5 की मौत हुई । वहीं, 13 घायल हैं। इसमें से भी 4 की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही सेना की तत्काल प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू शुरू किया। घायल जवानों को आसपास के अस्पताल में शिफ्ट किया है। सर्च ऑपरेशन खत्म हो गया है। सेना ने बताया कि काफिले में 6 गाड़ियां थी, जो पुंछ जिले के पास ऑपरेशनल ट्रैक से होते हुए बनोई इलाके की तरफ जा रही थीं। तभी एक वाहन के ड्राइवर के संतुलन खोने की वजह से वैन खाई में गिर गई। हादसे में शामिल सभी जवान 11 मराठा रेजिमेंट के बताए जा रहे हैं। सेना ने इस घटना में किसी आतंकी एंगल होने की संभावना नकार दी है।

मणिपुर में पुल के नीचे से 3.6 किलोग्राम विस्फोटक मिला, बड़े ब्लास्ट की थी साजिश

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में इंफाल-चुराचांदपुर मार्ग पर पुल के नीचे से असम राइफल्स, आर्मी और मणिपुर पुलिस ने 3.6 किलोग्राम विस्फोटक, डेटोनेटर और अन्य सामान बरामद किया है। उग्रवादी बड़े धमाके की तैयारी में थे। पिछले दो माह से असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस उग्रवादियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। इसके पहले आर्मी और मणिपुर पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान कई जगहों से 21.5 किलोग्राम वजन की 5 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद की थीं।

चुनाव आते ही केजरीवाल बांटने लगे फ्री की रेवड़ियां, कर्ज में डूब रही दिल्ली

-राजनीतिक पंडितों का मानना फ्री की योजनाओं से बिगड़ेगी आर्थिक स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव में एक बार फिर अरविंद केजरीवाल रेवड़िया बांटने का काम कर रहे हैं। कभी महिलाओं को 2100 रुपए देने का ऐलान, कभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज, कभी दलित बच्चों के लिए स्कॉलरशिप, चुनावी मौसम में आम आदमी पार्टी हर कीमत पर दिल्ली की सत्ता पर काबिज होना चाहती है।

राजनीतिक पंडितों का मानना है कि अरविंद केजरीवाल की योजनाएं एक तरफ उन्हें वोट तो दिलवा सकती हैं, लेकिन दिल्ली की आर्थिक स्थिति पर इसका बुरा असर पड़ सकता है। अगर आरबीआई के ही पिछले कुछ सालों के आंकड़े निकाल कर देखें तो स्थिति चिंताजनक है। अगर दिल्ली की मुफ्त बिजली योजना की बात करें तो सालाना इस पर केजरीवाल की सरकार 3600 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। पानी की सब्सिडी पर भी सालाना 500 करोड़ तक का खर्च आ रहा है। इसके ऊपर महिलाओं को जो फ्री बस सेवा दी है, उस पर भी सरकार के खजाने से हर साल 440 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं।

अब इन फ्री योजनाओं से एक तरफ वोट तो मिल रहे हैं, लेकिन दिल्ली कर्ज में डूबती जा रही है। 2020 में दिल्ली पर 3,631 करोड़ रुपए का कर्ज था, यह 2021 में बढ़कर 9,464 करोड़ तक पहुंच गया। इसके बाद 2022 में 15,689 करोड़ और अब 2025 को लेकर कहा जा रहा है कि यही कर्ज 15,881 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

दिल्ली की आप सरकार का ही वित्त विभाग मानता है कि महिलाओं को जो 2100 रुपए हर माह देने का ऐलान किया है, इससे आर्थिक बजट बिगड़ सकता है। वित्त विभाग ने यहां तक कहा है कि महिला सम्मान पर जो अभी तक बजट का 15 फीसदी हिस्सा खर्च किया जा रहा है, अगर सब्सिडी का दायरा बढ़ा दिया जाता है तो यह आंकड़ा 20 फीसदी तक चला जाएगा। अब दिल्ली सरकार की तरफ से जो फ्री योजनाओं को चलाया जा रहा है, इस पर दिल्ली हाईकोर्ट भी चिंता जता चुका है। इसी साल 26 नवंबर को आतिशी सरकार को तब फटकार पड़ी थी जब कहा गया कि बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए ज्यादा काम नहीं किया गया है। तब हाईकोर्ट ने यहां तक कहा था कि राजनेता ना तो शहर के विकास के लिए पैसा खर्च कर रहे हैं और ना ही कहीं से पैसा इकट्ठा कर रहे हैं। केवल मुफ्त की योजनाओं पर पैसा खर्च किया जा रहा है।

कांग्रेस विधायक ने अल्लू को चेताया कहा- सीएम के खिलाफ कुछ भी बोला तो...

हैदराबाद। निजामाबाद (ग्रामीण) से कांग्रेस विधायक आर भूपति रेड्डी ने मंगलवार को अभिनेता अल्लू अर्जुन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ कोई टिप्पणी की तो उनकी फिल्मों को राज्य में चलने नहीं दिया जाएगा। आर भूपति रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस कभी भी सिनेमा उद्योग के खिलाफ नहीं रही है। कांग्रेस सरकारों ने हैदराबाद में फिल्म उद्योग को स्थापित करने के लिए फिल्मी हस्तियों को जमीन दी। लेकिन पुष्पा जैसी फिल्में समाज के लिए लाभकारी नहीं हैं।

यह एक तस्कर की कहानी है। रेड्डी ने आगे कहा, आप (अल्लू अर्जुन) हमारे मुख्यमंत्री के बारे में कुछ भी कहने से पहले अलर्ट रहें। आप आंध्र प्रदेश से हैं और यहां रहने आए हैं। तेलंगाना के लिए आपका योगदान क्या है? हम 100 प्रतिशत चेतावनी दे रहे हैं। अगर आप अपने तरीके नहीं सुधारते, तो हम आपकी फिल्मों को तेलंगाना में चलने नहीं देंगे। यह बयान उस घटना के संदर्भ में आया है जिसमें 4 दिसंबर को पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के दौरान एक महिला की मौत हो गई थी और उसका बेटा घायल हो गया था। उस घटना को लेकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अल्लू अर्जुन की आलोचना की थी। रेड्डी ने यह भी आरोप लगाया कि अल्लू अर्जुन ने थिएटर में बिना अनुमति के फिल्म की स्क्रीनिंग की थी।

आज 14 राज्यों के 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित करेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय गुरुवार, 26 दिसंबर को राजधानी के भारत मंडपम में वीर बाल दिवस मनाएगा। जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू असाधारण उपलब्धियों के लिए 14 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के कुल 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। 17 में 7 लड़के और 10 लड़कियां शामिल हैं। इस वर्ष यह पुरस्कार बच्चों को सात श्रेणियों में प्रदान किया जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष वीर बाल दिवस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुरस्कार विजेताओं व गणमान्य व्यक्तियों के साथ ही कुल करीब 3 हजार 500 बच्चे भाग लेंगे। भारत की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करते हुए यह बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करेंगे।

इन सात श्रेणियों में मिलेगा पुरस्कार

मंत्रालय ने बताया कि 2024 में जिन सात श्रेणियों के तहत बच्चों को वीर बाल पुरस्कार प्रदान किए जाएगा। उनमें कला और संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा और खेल और पर्यावरण मुख्य हैं। पुरस्कार के रूप में प्रत्येक विजेता को एक पदक, प्रमाणपत्र और प्रशस्ति पत्र पुस्तिका प्रदान की जाएगी।

पीएम करेंगे सुपोषित पंचायत योजना का शुभारंभ

समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुपोषित पंचायत योजना की शुरुआत करेंगे और मार्च पास्ट को हरी झंडी दिखाएंगे। इस अवसर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी का उद्घाटन भाषण होगा। इस समारोह का उद्देश्य युवा मस्तिष्कों को पोषित करने, उनकी रचनात्मकता बढ़ाने और विकसित भारत की भविष्य दृष्टि में योगदान के लिए उन्हें प्रेरित करने पर केंद्रित रहेगा। इस खास अवसर पर देशभर में माई गॉव, माई भारत पोर्टल पर ऑनलाइन गतिविधियां सहित देशभर के स्कूलों, बाल देखभाल संस्थानों, आंगनबाड़ी केंद्रों में कहानी सुनाने, रचनात्मक लेखन, पोस्टर बनाने, निबंध लेखन, कविता और प्रश्नोत्तरी जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अब पॉपकॉर्न पर भी लगेगा जीएसटी, यूजर्स सरकार के लेने लगे मजे

-यूजर्स बोले-सुनार की दुकान पर मिलेगा, क्या अब सांस लेने पर लगेगा टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी काउंसिल की बैठक में सरकार ने कई फैसलों पर मुहर लगा दी है। केंद्र सरकार ने पुरानी गाड़ियों से लेकर पॉपकॉर्न तक पर जीएसटी लगाने का ऐलान कर दिया है, जिसके बाद पॉपकॉर्न खाने वाले परेशान हो गए हैं कि अब पॉपकॉर्न खाना भी मुश्किल हो गया है। सोशल मीडिया पॉपकॉर्न पर लगे जीएसटी को लेकर बहस छिड़ गई। जहां यूजर्स केंद्र सरकार के इस फैसले पर मजे ले रहे हैं। कुछ यूजर्स ने इस पर सरकार का बचाव भी किया तो कुछ ने इसे खुलेआम लूट बताया है।

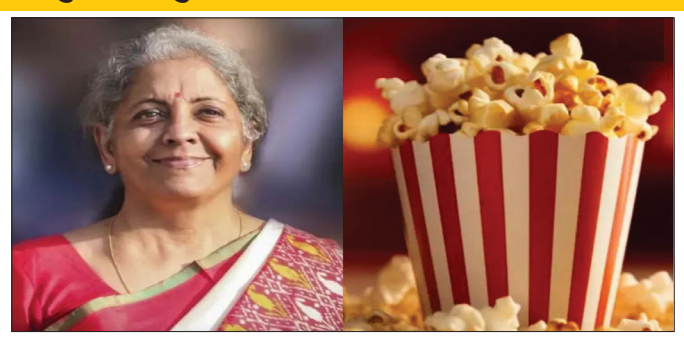

कई लोगों का कहना है कि सरकारी खजाने इज्जत से भी भरे जा सकते हैं, लेकिन सरकार लूट मचाकर इन्हें भरना चाहती है। सबसे ज्यादा चोट थिएटर में जाकर फिल्म देखने वाले लोगों को पहुंची, जो हर हफ्ते एक फुल पॉपकॉर्न का पैक लेकर फिल्म के मजे लेते हैं। बता दें कि केंद्र सरकार ने शनिवार को हुए जीएसटी काउंसिल की बैठक में फैसला लेते हुए पॉपकॉर्न पर कैटेगरी वाइज जीएसटी लगाया था, जिसके बाद नेटीजंस ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी।

पॉपकॉर्न पर कैटेगरी वाइज जीएसटी की खबर जैसे ही फैली लोगों ने इस पर मीम बनाने शुरू कर दिए किसी ने कहा कि पॉपकॉर्न खरीदने से पहले जीएसटी स्लैब की पढ़ाई करनी पड़ेगी तो किसी ने कहा कि अब सांस लेने पर जीएसटी लगने की देर है। एक और यूजर ने लिखा कि कैरेमलाइज्ड पॉपकॉर्न पर 18 फीसदी जीएसटी ऐसा है मानो इसे सुनार की दुकान पर बेचा जाने लगेगा।

बता दें कि केंद्र सरकार ने जीएसटी की अलग-अलग कैटेगरी बनाई हैं, जिनमें रेडी टू ईट पॉपकॉर्न पर 5 फीसदी जीएसटी, लेबल वाले और डब्बा पैक पॉपकॉर्न पर 12 फीसदी तो वहीं कैरेमलाइज्ड पॉपकॉर्न पर 18 फीसदी जीएसटी लगाया गया है। यूजर्स ने मोदी सरकार से सवाल किया है कि सांस लेने पर जीएसटी कब लगा रहे हो। सोशल मीडिया पर पॉपकॉर्न को लेकर मीम की बाढ़ आ गई, लोगों ने पॉपकॉर्न का असली इज्जत का हकदार बताया तो कुछ ने कहा कि पॉपकॉर्न कंपनियों को बगैर प्रचार के ही इतनी प्रसिद्धि मिल गई है।

एक यूजर ने लिखा कि पॉपकॉर्न अब सभी स्नैक्स का सरदार बन गया है, लिहाजा इसे फूड इंडस्ट्री का राजा घोषित कर देना चाहिए। हालांकि जीएसटी पॉपकॉर्न के अलग-अलग फ्लेवर को लेकर लगाया गया है, लेकिन जनता तो जनता है और टांग खींचना उनका अधिकार जो ठहरा। इंटरनेट पर कैरेमलाइज्ड और सॉल्टेड पॉपकॉर्न पर टैक्स की तुलना की जा रही है और लोग इस पर केंद्र सरकार के मजे ले रहे हैं।

अयोध्या में राम दरबार सहित 18 मंदिर का निर्माण जारी, तुलसी दास के मंदिर का शिखर पूजन हुआ

अयोध्या । अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर में भव्य राम मंदिर का निर्माण चल रहा है। परिसर में राम दरबार सहित 18 मंदिर भी तैयार हो रहे हैं। इन मंदिरों के निर्माण में तेजी आ गई है। मंदिर परिसर में श्रद्धालु सुविधा केन्द्र (पीएफसी) भवन के निकट श्रीराम चरित मानस के रचयिता तुलसी दास का मंदिर बनाया जा रहा है। इसके शिखर का पूजन किया गया। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट ने परिसर में बन रहे मंदिरों की तस्वीरें जारी की हैं। इसमें रामायण कालीन महर्षियों और महापुरुषों के मंदिर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। सभी मंदिरों की तस्वीरें तीन तरफ से ली गई हैं, जो देखने में अद्भुत लग रही हैं। 161 फीट ऊंचे तीन मंजिला राम मंदिर का निर्माण दिसंबर, 2025 तक पूरा करने की योजना है। ग्राउंड फ्लोर से लेकर दूसरे फ्लोर तक की कुल ऊंचाई 60 फीट से अधिक होगी। इसके बाद श्रद्धालुओं को भूतल से प्रथम और दूसरे तल पर जाने में कोई असुविधा न हो, राम मंदिर ट्रस्ट इसके लिए लिफ्ट भी लगवा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि मंदिर के पश्चिम में दो लिफ्ट भी बन रही हैं। एक लिफ्ट 24 लोगों की क्षमता वाली होगी। उत्तर दिशा में छह लोगों की क्षमता वाली एक लिफ्ट का भी निर्माण होना है। प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ यानी 22 जनवरी 2025 से पहले लिफ्ट का काम पूरा हो जाएगा।

सीएम सिद्धारमैया के नाम पर सड़क का नाम, बीजेपी बोली- यह मैसूर की समृद्ध विरासत का अपमान

बेंगलुरु (एजेंसी)। मैसूरु में एक सड़क का नाम कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नाम पर रखने से एक नया विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष ने इस कदम के लिए अधिकारियों पर हमला बोला है। जनता दल (सेक्युलर) पार्टी और भाजपा ने इसे कर्नाटक के लोगों के साथ 'विश्वासघात और अपमान' बताया और फैसले को वापस लेने की मांग की। हेरिटेज शहर के नागरिक निकाय, मैसूर सिटी कॉर्पोरेशन ने मेटागल्ली में श्री लक्ष्मी वेंकटरमण स्वामी मंदिर सर्कल और रॉयल इन जंक्शन के बीच के हिस्से का नाम बदलकर सिद्धारमैया आरोग्य मार्ग करने का प्रस्ताव रखा और इस कदम पर सार्वजनिक सुझाव भी आमंत्रित किए गए।

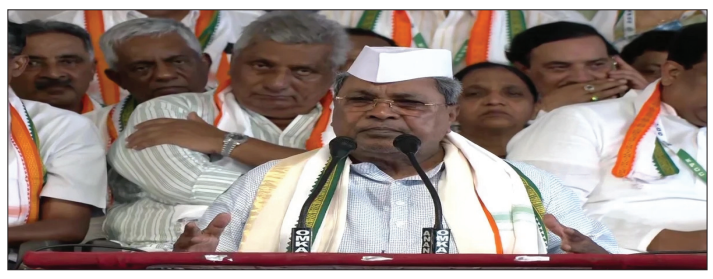

कुछ रिपोर्टों से पता चलता है कि यह चामराजा विधायक हरीश गौड़ा थे जिन्होंने सबसे पहले सड़क के लिए सिद्धारमैया के नाम की सिफारिश की थी। जेडीएस ने सवाल किया कि एमसीसी कैसे सड़क का नाम सिद्धारमैया के नाम पर रख सकती है, जो मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले में आरोपी हैं और जांच का सामना कर रहे हैं। जेडीएस ने कहा कि मैसूर महानगर निगम में कोई निर्वाचित बोर्ड नहीं है। कांग्रेस सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारियों ने अपना कर्ज चुकाने के लिए सड़क का नाम सिद्धारमैया के नाम पर रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री के नाम पर एक सड़क का नाम रखना न केवल ऐतिहासिक शहर मैसूर बल्कि पूरे राज्य के साथ विश्वासघात और अपमान है।

कर्नाटक सरकार द्वारा मैसूरु में एक सड़क का नाम बदलकर सीएम सिद्धारमैया के नाम पर करने के प्रस्ताव की रिपोर्ट पर बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस का एकमात्र उद्देश्य हर चीज का नाम टीपू सुल्तान या सिद्धारमैया के नाम पर रखना है...वे मैसूर के लोगों को क्या संदेश देना चाह रहे हैं? सिद्धारमैया ने उनकी जमीनें हड़प लीं, आरोपी नंबर बन गए। एमयूडीए घोटाले में 1, और अब एक सड़क का नाम उसके नाम पर रखा जा रहा है। यह मैसूर की समृद्ध विरासत का अपमान है।

एमयूडीएघोटाला मामले पर विधानसभा में चर्चा कराने की मांग उठी है और पिछले हफ्ते विधानसभा सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली थी। कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने एमयूडीए घोटाले पर बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र की मांगों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और उनसे उन जमीनों के बारे में भी बोलने को कहा जो कथित तौर पर पिछली बीजेपी सरकार के दौरान आरएसएस को आवंटित की गई थीं।

विपक्ष का खेल होगा खराब, एनडीए नेताओं के साथ जेपी नड्डा और अमित शाह की बड़ी बैठक, बना ये प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीआर अंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस और भारतीय धड़े के तीखे हमलों के बीच, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने विपक्ष की कहानी का मुकाबला करने की पूरी रणनीति बना ली है। पार्टी ने एकजुट प्रतिक्रिया की रणनीति बनाने के लिए बुधवार को अपने एनडीए सहयोगियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर आयोजित बैठक एक घंटे तक चली और शाह की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया, जाति जनगणना पर बहस और सामाजिक न्याय की राजनीति जैसे प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित रही।

शाह ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सहित गठबंधन नेताओं को संबोधित करते हुए कथित तौर पर इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस भाजपा को कमजोर करने के लिए झूठी कहानियां गढ़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने एनडीए से ऐसे प्रयासों का एकजुट होकर मुकाबला करने का आग्रह किया। सूत्रों ने कहा कि भाजपा का अपने सहयोगियों को केंद्रीय संदेश स्पष्ट है-विपक्ष के हमलों को प्रभावी ढंग से बेअसर करने के लिए एनडीए को एक एकीकृत मोर्चा पेश करना होगा।

बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे विशेष रूप से अनुपस्थित रहे। जद (यू) का प्रतिनिधित्व केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन, जिन्हें ललन सिंह के नाम से भी जाना जाता है, ने किया, जबकि शिवसेना ने केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव गणपतराव जाधव को भेजा। अन्य प्रमुख उपस्थित लोगों में केंद्रीय मंत्री और जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी, टीडीपी नेता के. राममोहन नायडू, और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, जीतन राम मांझी और संजय निषाद शामिल थे। चर्चा के दौरान, शाह ने कथित तौर पर हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों, विशेष रूप से संसद के शीतकालीन सत्र से लिए गए सबक पर विचार किया। उन्होंने कांग्रेस पर ऐतिहासिक रूप से अंबेडकर की विरासत की उपेक्षा करने का आरोप लगाया, जबकि अब इसे राजनीतिक लाभ के लिए हथियाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने भाजपा और उसके सहयोगियों को इस तरह के युद्धाभ्यासों का मजबूती से और एकजुट होकर जवाब देने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

हिमाचल में बर्फबारी के चलते 233 सड़कें बंद, चार पर्यटकों की मौत, वाहन फिसलने से कई घायल

*** अटल सुरंग के पास फंसे करीब 500 वाहनों के यात्रियों को सुरक्षित बचाया**

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बीते दो रोज से लगातार बर्फबारी का दौर जारी है। शिमला के नारकंडा, मनाली की अटल टनल सहित ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो रही है। अटल टनल के पास मंगलवार रात को भी बर्फ गिरी है। इसके बाद अटल टनल को सैलानियों के लिए बंद किया गया है। मनाली के सोलांग तक ही सैलानियों की आवाजाही हो रही है। फिलहाल, आगे बर्फबारी अधिक हुई है।

उधर, बर्फबारी के चलते तीन नेशनल हाईवे सहित राज्य में 233 सड़कें बंद हैं। हिमाचल सरकार के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के किन्नौर, लाहौल एवं स्पीति, शिमला, कुल्लू, मंडी, चंबा और सिरमौर जिले के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हुई। जानकारों ने बताया कि शिमला के होटल में 70 प्रतिशत कमरे भरे हैं। उन्होंने बताया कि बर्फबारी के कारण कमरों की बुकिंग में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व और आपदा) ओंकार शर्मा ने बताया कि अटल सुरंग के पास फंसे करीब 500 वाहनों में मौजूद पर्यटकों को सुरक्षित बचाया गया।

खबरों के अनुसार, बर्फबारी के कारण पिछले 24 घंटे में हुई दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई तथा कुछ स्थानों पर वाहन फिसलने के कारण कई लोग घायल हुए। प्रशासन ने अभी तक मृतकों के बारे में अभी कोई जानकारी साझा नहीं की है। प्रशासन ने बताया कि शिमला में सबसे ज्यादा 145 सड़कें बंद हैं, इसके बाद कुल्लू में 25 और मंडी में 20 सड़कें बंद हैं। वहीं बर्फबारी के कारण 356 ट्रांसफार्मर ठप पड़ गए हैं, जिससे कई इलाकों में बिजली गुल हो गई है।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में दिसंबर में होने वाली बर्फबारी सेब के लिए अच्छी मानी जाती है, क्योंकि इससे मिट्टी को नमी मिलती है और इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलता है। अधिकारियों के साथ सड़क की स्थिति की समीक्षा करने के बाद सिंह ने कहा कि शिमला, कुल्लू-मनाली और डलहौजी में पर्यटकों के आने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि पर्यटकों की आमद को संभालने के लिए विभाग पूरी तरह तैयार है। सड़कों पर बर्फ हटाने के लिए दो 'स्नो ब्लोअर' सहित कुल 268 मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों तथा विशेषकर शिमला में कुछ स्थानों पर शुक्रवार शाम से रविवार दोपहर तक बारिश और बर्फबारी की संभावना जाहिर की है। शनिवार को बारिश की संभावना अधिकतम होगी। मौसम विभाग ने

बिलासपुर, ऊना, हमीरपुर और मंडी में भीषण ठंड के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है, जबकि भाखड़ा बांध जलाशय क्षेत्र और मंडी के बल्ह घाटी के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार तक घने कोहरा छाए रहने की संभावना के चलते 'येलो' अलर्ट जारी किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चीन की अदालत ने स्कूली बच्चों को कुचलने वाले को मृत्युदंड दिया, सजा पर दो साल रहेगी रोक

बीजिंग, एजेंसी। चीन की एक अदालत ने पिछले महीने दक्षिणी हुनान प्रांत में प्राथमिक विद्यालय के छात्रों और अभिभावकों की भीड़ को अपनी कार से कुचलने के जुर्म में एक व्यक्ति को सोमवार को मौत की सजा सुनाई। हालांकि, मौत की सजा पर दो साल तक रोक रहेगी। 'चांगडे इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट के बयान के अनुसार, लगभग 30 लोगों को कुचलने की घटना के बाद हमलावर हुआंग वेन को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक घायल होने वालों में 18 बच्चे थे। सरकार के आदेशों के बाद सोशल मीडिया पर हमले के वीडियो हटा दिए गए थे और घटना के बारे में सरकारी प्रतिष्ठानों से केवल संक्षिप्त बयान जारी किए गए। अदालत ने हमलावर को मौत की सजा सुनाई लेकिन इस पर दो साल रोक रहेगी। अगर दोषी व्यक्ति सजा पर रोक की अवधि के दौरान कोई और अपराध नहीं करता है तो आम तौर पर मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदल दिया जाता है। अदालत ने कहा कि हुआंग ने 19 नवंबर को निवेश किए गए धन गंवाने के बाद हताशा में अपनी कार से भीड़ को कुचल दिया। एक हथियार से लोगों पर हमला करने के प्रयास के बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत के बयान में कहा गया है, ''हुआंग वेन के निशाने पर मुख्यत : प्राथमिक विद्यालय के छात्र थे। उसके आपराधिक इरादे बेहद घृणित थे। हुआंग के हमले के एक सप्ताह पहले दक्षिणी झुहाई शहर में एक व्यक्ति ने खेल परिसर में अभ्यास कर रहे लोगों को वाहन से कुचल दिया था, जिसमें 35 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे।

क्रिसमिस पर बाइडेन का कैदियों को तोहफा ! ट्रंप के आने से पहले 40 में से 37 को दिया जीवनदान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को घोषणा की कि वह संघीय मृत्युदंड की सजा का सामना कर रहे 40 में से 37 लोगों की सजा को आजीवन कारावास में बदल रहे हैं। यह घोषणा अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने से महज कुछ सप्ताह पहले की गई है, जो मृत्युदंड के मुखर समर्थक हैं। यह कदम पुलिस और सैन्य अधिकारियों, संघीय भूमि पर रहने वाले लोगों की हत्या और घातक बैंक डकैतियों या नशीले पदार्थों के सौदों में शामिल लोगों के साथ-साथ संघीय इकाइयों में सुरक्षा गार्ड या कैदियों की हत्याओं में दोषी पाए गए लोगों को जीवन दान प्रदान करता है। इसका मतलब है कि अब केवल तीन संघीय कैदियों को फांसी की सजा दी जाएगी। वे हैं डायलन रूफ, जिसने 2015 में साउथ कैरोलाइना के चार्ल्सटन में मदर इमैनुएल एएमई चर्च के नौ अश्वेत सदस्यों की नस्ली हत्या की थी, 2013 में बोस्टन मैराथन में बम विस्फोट करने वाला जोखर त्सरनेव और वर्ष 2018 में पिट्सबर्ग के ट्री ऑफ लाइफ सिनेगॉग में 11 लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाला रॉबर्ट बॉवर्स, जो अमेरिकी इतिहास का सबसे घातक यहूदी विरोधी हमला था। बाइडेन ने एक बयान में कहा, ''मैंने अपना करियर हिंसक अपराध को कमतर करने और निष्पक्ष और प्रभावी न्याय प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए समर्पित किया है। आज, मैं संघीय मृत्युदंड की सजा पाये 40 व्यक्तियों में से 37 की सजा को पैरोल की संभावना के बिना आजीवन कारावास में बदल रहा हूं। ये आतंकवाद और घृणा से प्रेरित सामूहिक हत्या से इतर अन्य मामलों में मौत की सजा पर मेरे प्रशासन द्वारा लगाई रोक के अनुरूप हैं।

यूरोप को रूसी गैस की बिक्री एक जटिल मामला : क्रेमलिन

मास्को, एजेंसी। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको में वार्ता के बाद क्रेमलिन ने सोमवार को कहा कि रूसी गैस खरीदने वाले यूरोपीय देशों के साथ स्थिति बेहद जटिल है। इस मामले पर और अधिक ध्यान देना जरूरी है। प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, वह इस वार्ता की अधिक जानकारी नहीं दे सकते। हालांकि, इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों और यूक्रेन युद्ध पर भी चर्चा हुई। फिको ने रविवार को कहा था कि पुतिन ने स्लोवाकिया को गैस की आपूर्ति जारी रखने की रूस की इच्छा की पुष्टि की।

स्विट्जरलैंड का आश्वासन- भारत संग ईएफटीए समझौते के अमल में नहीं होगी देरी

बर्न, एजेंसी। स्विट्जरलैंड ने कहा है कि दोहरे कराधान से बधाब समझौते में सर्वाधिक तरजीही देश (एसएफएन के दर्जे को निलंबित करने के उसके फैसले से भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) समझौते के अमल में देरी नहीं होगी। स्विस सरकार ने भारत का एमएफएन का दर्जा निलंबित कर दिया है। इससे भारत में स्विस निवेश पर असर पड़ सकता है तथा यूरोपीय देश में कार्यरत भारतीय कंपनियों पर अधिक कर लग सकता है। भारत व नॉर्वे, आइसलैंड, लिकटेंस्टीन और स्विट्जरलैंड के ईएफटीए ने मार्च में समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति की पत्नी ने तलाक की अर्जी दी : दावा- उनके साथ रूस में खुश नहीं

मॉस्को, एजेंसी। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद की पत्नी अस्मा अल असद ने तलाक के लिए अर्जी दी है। इजराइली अखबार यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, सीरिया की सत्ता से बाहर हो चुके असद की पत्नी अस्मा रूस में रहकर खुश नहीं हैं। वह ब्रिटेन जाने का प्लान बना रही हैं। अस्मा ने रूसी अदालत में देश छोड़ने के लिए आवेदन भी किया है। अस्मा ने दिसंबर 2000 में असद से शादी की थी। उनके पास ब्रिटेन और सीरिया की दोहरी नागरिकता है। अस्मा का जन्म 1975 में लंदन में सीरियाई माता-पिता के यहां हुआ था। अस्मा ने लंदन के किंग्स कॉलेज से कंप्यूटर साइंस और फ्रेंच लिटरेचर में डिग्री हासिल की है।

अस्मा और असद के तीन बच्चे हैं, जिनके नाम हाफिज, जीन और करीम हैं। वे अपने बच्चों के साथ लंदन में रहने के लिए प्लान कर रही हैं। 8 दिसंबर को सीरिया की राजधानी दमिश्क पर विद्रोही लड़ाकों के कब्जे के बाद बशर अल असद ने देश छोड़कर परिवार के साथ रूस में शरण ली थी। रूस में प्रतिबंधों में रह रहा असद परिवार यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, बशर अल असद और उनका परिवार मॉस्को में रह रहा है। रूस ने उन्हें अपने यहां शरण तो दी है, लेकिन उन्हें कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। असद के मॉस्को छोड़ने या किसी भी राजनीतिक गतिविधि में

शामिल होने पर रोक लगा दी गई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूसी अधिकारियों ने असद की संपत्ति भी जब्त कर ली है। इसमें 270 किग्रा सोना, 2 बिलियन डॉलर कैश और मॉस्को के 18 अपार्टमेंट शामिल हैं। तुर्किये की मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, असद भी रूस छोड़कर ब्रिटेन जाने की फिराक में हैं। दूसरी तरफ असद के भाई महेर को अब तक रूस ने शरण नहीं दी है।

दावा असद ने सीरिया से रूस भेजा था 2 टन कैश फाइनेंशियल टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से ये दावा किया है कि राष्ट्रपति असद ने रूस को 250 मिलियन डॉलर (2,082 करोड़ रुपए) नकद भेजे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये लेन-देन में 100 डॉलर और 500 यूरो के नोट थे। इनका वजन करीब 2 टन था। इसे मार्च 2018 और मई 2019 के बीच दमिश्क से मॉस्को के वानुकोवो एयरपोर्ट पर भेजा गया था। इस पूरी रकम को भेजने में 21 फ्लाइट्स का इस्तेमाल हुआ। मॉस्को पहुंचने पर इसे रूसी बैंकों में जमा करा दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि असद सरकार पर पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगा दिया था। ऐसे में वे डॉलर और यूरो का इस्तेमाल नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने इस रकम को रूस में भुनाने का फैसला किया।

फिलीपींस की मिसाइल तैनाती पर चीन बौखलाया, कहा- बढ़ेगा तनाव

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस द्वारा मध्यम दूरी की मिसाइलों की तैनाती को लेकर चीन बौखला उठा है। उसने कहा, यह योजना एक भड़काऊ कदम होगा, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ेगा। फिलीपींस के शीर्ष सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल रॉय गैलिडो ने सोमवार को मनीला में कहा कि सेना दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ तनाव के बीच देश की रक्षा के लिए मध्यम दूरी की मिसाइलें तैनात करने की योजना बना रहा है। चीन शुरू से फिलीपींस को अमेरिकी सैन्य मदद का विरोध करता रहा है, जबकि मिसाइल तैनाती में भी वह साथ होगा। अमेरिका ने अप्रैल में उत्तरी फिलीपीन में अपनी मध्यम दूरी की मिसाइल 'टाइफून' तैनात की थी और दोनों देशों के सैनिक भारी हथियारों के उपयोग के लिए साझा प्रशिक्षण ले रहे हैं। चीन 'टाइफून' से विशेष रूप से चिंतित है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, फिलीपीन द्वारा हथियार की तैनाती भू-राजनीतिक टकराव व हथियारों की दौड़ तेज करेगी।

राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए तैयार हुई पाकिस्तान सरकार, पूर्व पीएम इमरान खान से होगी बातचीत

इस्लामाबाद, एजेंसी। राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए पाकिस्तान सरकार अब विपक्षी पार्टी पाकिस्तान तहरीक

ए इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख पूर्व पीएम इमरान खान से बातचीत के लिए तैयार हो गई है। पीटीआई से बातचीत के लिए बनी समिति के सदस्य और पाकिस्तान के सीनेटर इरफान सिद्दीकी ने बताया कि सरकार ने पीटीआई की पार्टी प्रमुख इमरान खान से बातचीत मांग मान ली है। इस्लामाबाद की संसद में देश में राजनीतिक तनाव करने के लिए सकारात्मक परिणाम की आस में सरकार और पीटीआई के बीच हो रही बातचीत में इस पर सहमति बनी। इरफान सिद्दीकी ने कहा कि लोग देश में अराजकता और आर्थिक अस्थिरता की जगह शांति और लोकतांत्रिक मानदंड चाहते हैं। इसलिए यह बातचीत शुरू की गई है। हालांकि सरकार का इमरान खान के खिलाफ चल रहे न्यायिक मामलों से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि अगले दौर की बातचीत दो जनवरी को होगी। इरफान ने कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए हैं कि कोई भी बातचीत को लेकर सार्वजनिक तौर पर बयान नहीं देगा। हम बातचीत का तार्किक निष्कर्ष चाहते हैं, इसलिए हमने पीटीआई नेताओं से कहा है कि वे अपनी मांग चार्टर ऑफ डिमांड के रूप में पेश करें। सिद्दीकी ने कहा कि सरकार पीटीआई की हर मांग पर आश्वासन नहीं दे सकती, लेकिन अगर वे अपनी मांग लिखित तौर पर देंगे तो उस पर विचार किया जाएगा। पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी से बातचीत को लेकर बनी सरकारी समिति में कई ऐसे वरिष्ठ सदस्य शामिल हैं जो सांविधानिक और कानूनी मामलों के जानकार हैं। इरफान सिद्दीकी ने कहा कि सभी सदस्य पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी की मांगों के विकल्प पर विचार करेंगे। पीटीआई से वार्ता को लेकर मजलिस वहदत ए मुसलमीन के प्रमुख सीनेटर राजा नासिर अब्बास ने कहा मैंने सरकार की ओर से बुलाई गई बैठक में कई सकारात्मक चीजें देखी हैं। अच्छी बातचीत के लिए इमरान खान और पीटीआई से वार्ता के लिए बैठक जरूरी थी।

इस्लाम विरोधी पोस्ट करने के आरोप में एक व्यक्ति को छह महीने की सजा

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने एक व्यक्ति को अन्य व्यक्ति की पहचान का इस्तेमाल करके डिजिटल माध्यम से इस्लाम धर्म के खिलाफ टिप्पणी करने के आरोप में सोमवार को छह महीने की सजा सुनाई। 'चैनल न्यूज एशिया' (सीएनए) में जारी की गई खबर में बताया गया कि चुआ वांग चेंग (33) नामक व्यक्ति ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर उस व्यक्ति के नाम से फर्जी अकाउंट बनाया था, जिसे वह पसंद नहीं करता था। इसके बाद आरोपी ने इस्लाम धर्म का अपमान करने वाले वीडियो शेयर किए। खबर में बताया गया कि व्यक्ति को विभिन्न मीडिया आउटलेट के फेसबुक पेज पर टिप्पणियां करके मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का भी दोषी पाया गया है। सिंगापुर इस्लामिक धार्मिक परिषद (एमयूआईएस) के अनुसार, आरोपी द्वारा पोस्ट की गई एक वीडियो में निराधार दावे किए गए थे तथा यह वीडियो इस्लाम धर्म और पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने के लिए बनाया गया था। दूसरे वीडियो में इस्लाम, पैगंबर मोहम्मद और मुस्लिम समुदाय के प्रति अपमानजनक बातें कही गयी थीं। अभियोजक ने बताया कि आरोपी चुआ ने हालांकि ये वीडियो नहीं बनाए थे, लेकिन उसने मुस्लिम फेसबुक उपयोगकर्ताओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से ये वीडियो साझा किए थे। सिंगापुर के कानून के अनुसार, नस्लीय या धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर किए गए कृत्य का दोषी पाए जाने पर व्यक्ति को तीन साल तक की जेल और जुर्माना या दोनों सजा दी जा सकती हैं।

मैट गेटज पर ड्रग्स लेने, नाबालिगों का यौन शोषण करने का आरोप, ट्रंप इन्हें बनाने वाले थे अटॉर्नी जनरल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक पूर्व सांसद मैट गेट्ज पर शारीरिक संबंध बनाने, अवैध रूप से ड्रग्स रखने और नाबालिगों से यौन संबंध बनाने के लिए हजारों डॉलर का भुगतान करने का आरोप लगा है। अमेरिका के निचले सदन के नैतिक समिति ने आरोप लगाए हैं कि साल 2017 में सांसद रहने के दौरान गेट्ज ने नाबालिग लड़की का यौन शोषण किया था। समिति की रिपोर्ट के अनुसार, गेट्ज ने फ्लोरिडा राज्य के कानून का उल्लंघन किया है।

गेट्ज को अटॉर्नी जनरल बनाने वाले थे ट्रंप : गौरतलब है कि मैट गेट्ज को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का करीबी माना जाता है और बीते नवंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद ट्रंप, मैट गेट्ज को अपनी सरकार में अटॉर्नी जनरल बनाना चाहते थे। ट्रंप ने इसका सार्वजनिक रूप से एलान भी कर दिया था। हालांकि कई सांसदों द्वारा उनके नाम पर आपत्ति जताने के बाद ट्रंप ने अपना फैसला बदल दिया था। अमेरिकी संसद की समिति ने रिपोर्ट में बताया कि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि प्रतिनिधि गेट्ज ने वेश्यावृत्ति, दुष्कर्म, अवैध नशीली दवाओं के उपयोग, बतौर सांसद अनुचित उपहार लेने, कांग्रेस के काम में बाधा डालने और आचरण के खिलाफ व्यवहार करने का आरोपी पाया गया है।

क्या हैं गेट्ज पर आरोप : रिपोर्ट में कहा गया है कि मैट गेट्ज पर आरोप है कि उन्होंने 12

महिलाओं और अपनी एक पूर्व सहयोगी को बड़ी रकम हस्तांतरित की थी। रिपोर्ट के अनुसार, 2017 और 2020 के बीच, गेट्ज ने एक अनाम महिला को 63 हजार डॉलर से अधिक भेजे, जिसकी पहचान उसकी पूर्व प्रेमिका के रूप में हुई। इस महीने की शुरुआत में एक गुप्त मतदान के बाद जारी की गई नैतिक समिति की रिपोर्ट में बताया गया है कि गेट्ज द्वारा कांग्रेस में अपने कार्यकाल के दौरान एक दर्जन से अधिक महिलाओं को विभिन्न माध्यमों से भुगतान किया गया।

समिति ने कहा कि गेट्ज ने बहामास यात्रा के दौरान सदन के उपहार नियमों का उल्लंघन किया। साथ ही कई महिलाओं के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उन्हें इसके बदले पैसों का भुगतान किया। गेट्ज पर यात्रा के दौरान अवैध ड्रग्स लेने का भी आरोप है। गेट्ज ने सोमवार को संघीय अदालत में एक शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने तर्क दिया कि कांग्रेस से उनके इस्तीफे के बाद सदन की नैतिकता समिति का अब उन पर अधिकार क्षेत्र नहीं है।

यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ की हत्या के आरोपी ने खुद को बताया निर्दोष, लोग बता रहे रॉबिनहुड

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की स्वास्थ्य बीमा कंपनी यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ की हत्या के आरोपी लुइजी मैंगियोन को सोमवार को न्यूयॉर्क की अदालत में पेश किया गया। जहां लुइजी मैंगियोन ने खुद को निर्दोष बताया। मैंगियोन पर हत्या, आतंकवाद समेत कुल 11 आरोप लगे हैं। मैंगियोन पर ये आरोप मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय द्वारा लगाए गए हैं।

मैंगियोन के वकील ने जताई चिंता : मैंगियोन की वकील करेन फ्राइडमैन ने उसके मुवक्किल के खिलाफ चल रहे मुकदमे की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। वकील ने बीते हफ्ते मामले की सुनवाई के दौरान कई वकीलों के साथ मेयर एरिक एडम्स की मौजूदगी से भी नाराजगी जाहिर की। वकील ने कहा कि वह (मैंगियोन) एक युवा है, लेकिन उसे दो न्यायाधिकार क्षेत्रों के बीच पीसा जा रहा है और उसका तमाशा बनाया जा रहा है। इस पर न्यायाधीश ने आश्वासन दिया कि मैंगियोन मामले में निष्पक्ष सुनवाई होगी और जूरी का चयन सावधानी से किया जाएगा। अब मैंगियोन मामले की सुनवाई 21 फरवरी को की

जाएगी। पिछली सुनवाई के दौरान न्यूयॉर्क के मैनहट्टन के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी एलविन ब्राग ने कहा कि यह डरावनी, सुनियोजित हत्या थी। उन्होंने कहा कि यह हत्या शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, इससे स्थानीय लोगों, पर्यटकों, व्यापारियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा हुआ है। यही वजह है कि आरोपी के खिलाफ आतंकवाद के भी आरोप लगाए गए हैं। 26 वर्षीय आरोपी मैंगियोन को अगर हत्या का दोषी पाया जाता है तो उसे उम्रकैद की सजा हो सकती है। यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ की हत्या का है आरोप बीती 4 दिसंबर को न्यूयॉर्क के मिडटाउन मेन होटल के बाहर यूनाइटेड हेल्थकेयर के सीईओ ब्रायन थॉम्पसन की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यूनाइटेड हेल्थकेयर, अमेरिका की सबसे बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी है। हत्या के पांच दिन बाद आरोपी लुइजी मैंगियोन को गिरफ्तार किया गया था। अमेरिका में हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। आरोप है कि ये कंपनियां लोगों को इंश्योरेंस क्लेम देने में आनाकानी करती हैं। यही वजह है कि मैंगियोन को आम लोगों का समर्थन मिल रहा है और लोग उसकी तुलना रॉबिनहुड से कर रहे हैं।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तबीयत बिगड़ी; बुखार के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तबीयत सोमवार (स्थानीय समय) को अचानक खराब हो गई। जानकारी के मुताबिक, बुखार समेत कुछ अन्य शिकायतों के बाद उन्हें वाशिंगटन के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ एंजेल उरेना हवाले से बताया गया कि क्लिंटन का स्वास्थ्य अच्छा है। 78 साल के डेमोक्रेटिक नेता को कई जांचों और निगरानी के लिए मेडस्टार जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उरेना ने कहा, उनका स्वास्थ्य अच्छा है और उन्हें जो बेहतरीन देखभाल मिल रही है, उसके लिए वे बहुत आभारी हैं।

कमला हैरिस के लिए प्रचार करते दिखे थे

अमेरिका में हाल ही में संपन्न हुए राष्ट्रपति चुनाव में बिल क्लिंटन काफी सक्रिय रहे थे। उन्होंने डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के लिए प्रचार भी किया था। डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ने संबोधन भी दिया था। तब क्लिंटन ने कमला हैरिस की जमकर तारीफ की थी। बिल क्लिंटन ने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ने के मुश्किल फैसले के लिए जो बाइडन को भी सराहा था। ट्रंप पर निशाना साधते हुए क्लिंटन ने कहा था, डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ मैं, मैं करते हैं। अगली बार जब आप उन्हें सुनें तो इस पर ध्यान दें कि वह कितनी बार अपना जिक्र करते

हैं। हालांकि, चुनावों में हैरिस को ट्रंप के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा था।

अमेरिका के 42वें राष्ट्रपति के तौर पर 1993 से 2001 तक संभाला पद : क्लिंटन अमेरिका के 42वें राष्ट्रपति थे। उन्होंने 1993 से 2001 तक इस पद की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति को कई बार स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लंबे समय तक सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ के बाद 2004 में उनकी बाईपास सर्जरी हुई। फिर साल 2010 में उनकी कोरोनरी आर्टरी में स्टेंट की एक जोड़ी लगाई गई। इसके बाद 2021 में वह मूत्र संक्रमण संबंधी समस्या से जूझे।

इजराइल बोला- हमास चीफ हानियेह को हमने मारा : हत्या के बाद पहली बार स्वीकार किया

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने पहली बार स्वीकार किया है कि हमास के पूर्व चीफ इस्माइल हानियेह की हत्या उसी ने की थी। सोमवार को इजराइल के रक्षा मंत्री काट्ज ने एक बयान के दौरान इसकी पुष्टि की। हूती विद्रोहियों के हमलों को लेकर दिए बयान में रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि जिस तरह हमने हानियेह और सिनवार को मारा है, वैसे ही हूतियों को भी मार देंगे। हानियेह की इस साल 31 जुलाई को ईरान की राजधानी तेहरान में हत्या कर दी गई थी। वह ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के शपथ ग्रहण में शामिल होने तेहरान पहुंचा था। ईरान ने कहा था कि हानियेह की मौत मिसाइल हमले में हुई थी। हालांकि कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि हानियेह को बम धमाके में मारा गया था। हानियेह का अंतिम संस्कार 2 अगस्त को कतर की राजधानी दोहा में हुआ था।

दावा- 2 महीने पहले हुई थी मारने की प्लानिंग : न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि इजराइल ने हानियेह की मौत से करीब 2 महीने पहले ही उसे मारने की प्लानिंग कर ली गई थी। अमेरिकी मीडिया हाउस न्यूयॉर्क टाइम्स ने 2 ईरानी समेत मिडिल ईस्ट के 7 अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक हानियेह की मौत बम धमाके में हुई। जिस बम विस्फोट में वह मारा गया, उसे 2 महीने पहले छिपाकर तेहरान के उस गेस्ट हाउस में लगा दिया गया था, जिसमें हानियेह ठहरा था। जैसे ही हानियेह के वहां

पहुंचने की पुष्टि हुई, किसी बाहरी इलाके से रिमोट के जरिए विस्फोट कर दिया गया।

हूती विद्रोहियों को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी : रक्षा मंत्री काट्ज ने इजराइल पर हमले के करने के लिए हूती विद्रोहियों को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दी। काट्ज ने कहा कि हमने हमास को हराया है, हिजबुल्लाह को हराया है, उसी तरह हूती विद्रोहियों को भी हराएंगे। काट्ज ने हूतियों के इंफ्रास्ट्रक्चर को तबाह करने और उसके नेताओं का गला काटने की धमकी भी दी। हूती विद्रोही पिछले एक साल से इजराइल पर रॉकेट और मिसाइल हमले कर रहे हैं। इसके अलावा लाल सागर में इजराइल से जुड़े कार्गो शिप को भी निशाना बना रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छाती पर “मर्द” लिखा हुआ टैटू मिला

गुजरात के निर्भया कांड में आरोपी विजय पासवान का पोटेंसी टेस्ट कराया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के सूरत जिले में हुए निर्भया कांड के आरोपी विजय पासवान का पोटेंसी टेस्ट करवाया गया है। इस मामले में हैरानी की बात यह सामने आई कि आरोपी की छाती पर च्मर्दज् लिखा हुआ टैटू पाया गया। पुलिस ने यह कदम इस तथ्य को सुनिश्चित करने के लिए उठाया कि वह अपराध करने में सक्षम था या नहीं।

गुजरात पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बलात्कार के मामले में आरोपी के खिलाफ सबूत जुटाने के काम में लगी हुई है। इस घटना में पोटेंसी टेस्ट का बहुत महत्व होता है। इस टेस्ट के दौरान आरोपी से वीर्य का नमूना लिया जाता है। यह जांच यह पुष्टि करने में मदद करती है कि आरोपी बलात्कार करने के लिए सक्षम था या नहीं और क्या मेडिकल जांच में जो सबूत मिले हैं, वे उससे मेल खाते हैं या नहीं। इस रिपोर्ट के आधार पर यह माना जा सकता है कि आरोपी ने बलात्कार किया है, और इस पर वैज्ञानिक रूप से मजबूत सबूत एकत्रित किए गए हैं।

पोटेंसी टेस्ट एक कानूनी प्रक्रिया है, जिसका इस्तेमाल यौन अपराधों में आरोपी की शारीरिक क्षमता जांचने के लिए किया जाता है। इस घटना ने स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर काफी चर्चा बटोरी है। मामले में आरोपी को कड़ी सजा दिलाने की दिशा में पुलिस तेजी से जांच कर रही है।

पोटेंसी टेस्ट के लिए आरोपी को सिविल अस्पताल लाया गया।

आरोपी विजय पासवान के कुछ टेस्ट अंकलेश्वर में नहीं हो पाने के कारण उसे सूरत की नई सिविल अस्पताल में लाना पड़ा। आरोपी को लगभग सुबह 11 बजे नई सिविल अस्पताल लाया गया।

इसके बाद संबंधित विभाग ने पोटेंसी टेस्ट किया और पुलिस आरोपी को लेकर वापस रवाना हो गई।

इस दौरान आरोपी की छाती पर ‘मर्द’ लिखा हुआ टैटू पाया गया। इसके अलावा, उसके माथे पर दोनों भौंहों के बीच एक छोटा सा टैटू का निशान भी देखा गया।

गुजरात पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) दुष्कर्म की घटना में आरोपी के खिलाफ सबूत जुटाने के काम में लगी हुई है। दुष्कर्म के मामले में पोटेंसी टेस्ट का बहुत महत्व होता है।

इस टेस्ट के दौरान आरोपी के स्पर्म का सैंपल लिया जाता है। यह देखना आवश्यक होता है कि आरोपी दुष्कर्म करने में सक्षम है या नहीं, और दुष्कर्म के बाद मेडिकल जांच में जो सबूत जुटाए गए हैं, वे आरोपी से मेल खाते हैं या नहीं। इस रिपोर्ट के आधार पर वैज्ञानिक रूप से यह साबित करने के लिए मजबूत सबूत इकट्ठा किए जाते हैं कि दुष्कर्म आरोपी ने ही किया है।

मरीज को छोड़कर सूरत लौट रही एंबुलेंस का हुआ हादसा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पूणा नहर रोड पर चालक ने स्टियरिंग से नियंत्रण खो दिया, जिससे एंबुलेंस क्क्क्ष्र रेलिंग से टकराकर पलट गई। इस हादसे में चालक को गंभीर चोटें आईं।

डेडिया पाड़ा से मरीज को छोड़कर लौट रही सूरत नई सिविल अस्पताल की एंबुलेंस का भयानक हादसा हो गया। पूणा नहर रोड पर एंबुलेंस BRTS रेलिंग से टकराकर पलट गई। इस हादसे में एंबुलेंस चालक को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से उसे इलाज के लिए नई सिविल अस्पताल ले जाया गया।

मरीज को छोड़कर लौटते समय हुआ हादसा भाठे के पंचशील नगर में रहने वाले 27 वर्षीय आशीष सत्यदेव दुबे सूरत नई सिविल अस्पताल में एंबुलेंस चालक के तौर पर काम करते हैं। मंगलवार शाम को आशीष नई सिविल अस्पताल की एंबुलेंस में मरीज को छोड़ने डेडिया पाड़ा गए थे। रात में वह अस्पताल वापस लौट रहे थे।

इस दौरान पूणा नहर रोड के पास आशीष ने एंबुलेंस के स्टियरिंग से नियंत्रण खो दिया, जिससे एंबुलेंस BRTS रेलिंग से टकराकर पलट गई। इस भयानक हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

लोगों ने चालक को एंबुलेंस से बाहर निकाला हादसे के बाद एंबुलेंस चालक आशीष को गंभीर चोटें आई थीं। लोगों ने एकत्र होकर उसे एंबुलेंस से बाहर निकाला और 108 एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए नई सिविल अस्पताल पहुंचाया।

हादसे में आशीष को गंभीर चोटें आई हैं, और उन्होंने डॉक्टरों के सामने बताया कि रास्ते में बच्चे आ गए थे, जिससे दुर्घटना हुई। हालांकि, यह भी चर्चा है कि आशीष ने शराब पीकर एंबुलेंस चलाया था, यह बात नई सिविल अस्पताल में चल रही है। फिलहाल, आशीष को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है।

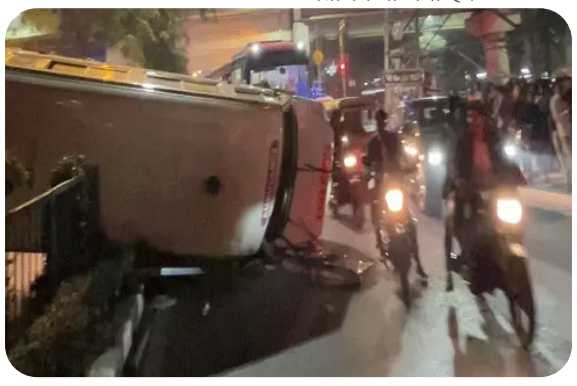

SMC एक्शन में नवसारी NH-48 के पास

वेस्मा ब्रिज के सर्विस रोड से 5.30 लाख रुपये कीमत का विदेशी शराब पकड़ा गया

दो आरोपियों की गिरफ्तारी, छह वांछित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी:पिछले 15 दिनों से नवसारी जिले में स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) सक्रिय हो गई है। हाईवे पर चलने वाले शराब के जखीरे पर नजर रखते हुए और सूचना के आधार पर रेड कर लाखों रुपये की शराब जब्त की गई है। इसी सिलसिले में, नवसारी हाईवे के पास वेस्मा गांव के सर्विस रोड पर 5 लाख रुपये से अधिक की शराब जब्त की गई और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि छह को वांछित घोषित किया गया है।

वेस्मा गांव के पास सर्विस रोड से गुजर रहे एक ट्रक में विदेशी शराब भरकर ले जाई जा रही थी, इस बारे में सूचना मिली थी। इसके आधार पर रेड कर कुल 3,695 बोतल विदेशी शराब का जखीरा बरामद किया गया, जिसकी बाजार कीमत 5,30,278 रुपये थी। साथ ही 3,300 रुपये की नकद राशि, मोबाइल और वाहन सहित कुल 15 लाख रुपये से अधिक का मुद्दा माल जब्त किया गया। SMC ने ट्रक चालक परिमल लालूभाई पटेल और विकास हरिश पटेल को गिरफ्तार किया।

इस मामले में शराब के जखीरे को भेजने वाला, प्राप्त करने वाला और पायलटिंग करने वाले सुनीत भाईयो, मित, अमित केवड़ी, उमेश मेडी, कामरेज में शराब लाने वाला और इनोवा कार के मालिक को वांछित घोषित किया गया है।

रेड के दौरान कुल 5,30,278 रुपये की 3,695 बोतल शराब, साथ ही वाहन, नकद और मोबाइल के साथ कुल 20,44,578 रुपये का मुद्दा माल जब्त किया गया है। नवसारी जिले में सालभर में करोड़ों रुपये की शराब का परिवहन होता है,

जिसे रोकने के लिए स्थानीय पुलिस के साथ SMC समय-समय पर रेड करती रही है। दिसंबर महीने में लाखों रुपये की शराब जब्त की जा चुकी है, और अब वेस्मा गांव के पास 5 लाख रुपये से अधिक का मुद्दा माल पकड़े जाने से शराब तस्करों में घबराहट फैल गई है।

कोंट्राक्टर को ब्लैक लिस्ट करने का प्रस्ताव

छात्रों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण भोजन न देने की शिकायत किराया और बिजली बिल में भी गड़बड़ी करने की शिकायतें

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत मेडिकल कॉलेज के कैंटीन में उचित तरीके से भोजन नहीं परोसने की शिकायतों के बाद, आखिरकार स्थायी समिति द्वारा निर्णय लेने की तैयारी की जा रही है। इजदार को ब्लैकलिस्ट करने से पहले उसे अपनी बात रखने का मौका दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद इजदार अपनी मनमानी करता हुआ पाया गया है।

छात्रों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण भोजन न देने की शिकायत

सूरत नगरपालिका द्वारा संचालित स्मीमर मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए कैंटीन चलाया जाता है। कॉलेज के बॉयज होस्टल में कैंटीन के लिए अग्रवाल रेस्टोरेंट को कामकाजी ठेका सौंपा गया है। हालांकि, लंबे समय से कैंटीन में भोजन की अनियमितता और गुणवत्ताहीन भोजन मिलने की शिकायतें आती रही थीं। इसके बाद, प्रशासन ने गुणवत्ता सुधारने और नियमित समय पर छात्रों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए थे। लेकिन, इन निर्देशों के बावजूद, ठेकेदार ने लापरवाही दिखाई और भोजन की अनियमितता और गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं किया।

किराया और बिजली बिल भरने में भी गड़बड़ी

ठेकेदार ने निगम द्वारा निर्धारित किराया भरने में भी उदासीनता दिखाई थी, और यह भी पाया गया कि वह बिजली बिल भी नहीं भर रहा था। इस मामले में, ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने से पहले स्थायी समिति द्वारा उसे सुनने का प्रयास किया गया था। इसके तहत उसे फोन करके उपस्थित रहने के लिए कहा गया था, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके अलावा, नोटिस भी दी गई थी। इतने प्रयासों के बाद भी कोई उत्तर न मिलने पर, अंततः प्रशासन ने ठेकेदार अग्रवाल कैंटीन को 5 वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश स्थायी समिति के सामने प्रस्तुत की है, जिस पर निर्णय लिया जाएगा।

लिम्बायत में नाले की कार्यवाही के दौरान पोकलेन मशीन के कारण लीक होने से 10 फुट ऊंचे पानी के फव्वारे उड़े

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर के लिम्बायत क्षेत्र में नाले की कार्यवाही के दौरान पेयजल लाइन में लीक होने के कारण प्रशासन हरकत में आ गया। पीने के पानी की लाइन में फूट के कारण 10 फुट ऊंचे पानी के फव्वारे उड़ने से स्थानीय लोगों में प्रशासन की लापरवाही को लेकर भारी गुस्सा देखा गया। दूसरी ओर, घटना की जानकारी मिलते ही हाइड्रोलिक विभाग ने मरम्मत के लिए कार्यवाही शुरू कर दी है।

पानी के फव्वारे उड़ने लगे

लिम्बायत स्थित मिठीखाड़ी क्षेत्र के आज़ाद चौक के पास पिछले कुछ दिनों से नाली लाइन बिछाने का काम चल रहा था। ठेकेदार की लापरवाही के कारण नाली की कार्यवाही के दौरान पोकलेन मशीन से पेयजल लाइन में फूट पड़ गई। नाली की कार्यवाही पहले से ही समस्याग्रस्त थी, और अब इस नए नुकसान से लोग काफी गुस्से में हैं। पानी का अधिक नुकसान हुआ था, और नाली की कार्यवाही भी चल रही थी, जिससे स्थिति और भी जटिल हो गई थी।

हाइड्रोलिक विभाग हरकत में आया

कई दिनों से नाली की कार्यवाही को लेकर लोग शिकायतें कर रहे थे, इसके बाद काम तो शुरू किया गया, लेकिन यह काम बहुत धीमी गति से चल रहा था। दूसरी ओर, पोकलेन मशीन द्वारा जो खुदाई की जा रही थी, उसी दौरान पानी की लाइन में लीक होने की जानकारी मिली। जैसे ही यह सूचना मिली, हाइड्रोलिक विभाग के अधिकारियों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और तात्कालिक कार्यवाही को रोकते हुए पेयजल लाइन में हुए नुकसान को सुधारने का काम शुरू किया।

नवसारी के दो पशुपालकों को गिरफ्तार

GIDC बुलेट ट्रेन की सीमा में डेरी के टेंकर को खड़ा कर दूध की चोरी करने वाले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मधुर डेरी के दूध से भरे टेंकर के चालक और क्लीनर भी चोरी मामले में शामिल पाए गए।

यह है आरोपियों का modus operandi: आरोपियों ने आपस में मिलकर आर्थिक लाभ के लिए मधुर डेरी के दूध से भरे टैंकरों को जूनागढ़ से मुंबई जाते समय हाईवे से थोड़ी अंदर अव्यवस्थित जगह पर रात के समय खड़ा किया। टैंकर के ऊपर लगे ताले और सील को मास्टर की से खोलकर दूध पाइप के जरिए निकालकर एक छोटे टैंकर में भरते थे और उसमें पानी मिलाकर दूध की चोरी करते थे, जिसे वे स्थानीय स्तर पर बेच देते थे।

नवसारी जिले के जूनागढ़ मधुर डेरी के दूध टैंकर के चालक और क्लीनर, साथ ही नवसारी के दो पशुपालकों ने एक दूसरे की मदद से बुलेट ट्रेन बारडोली GIDC रोड बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के क्षेत्र में अव्यवस्थित जगह पर टैंकर से दूध की चोरी की। एसओजी टीम ने चालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि पांचवें आरोपी की तलाश जारी है।

नवसारी जिले में अवैध गतिविधियों के कारण लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों पर निगरानी रखकर कार्रवाई करने की सूचना नवसारी एसओजी पीआई पी.ए. आरी ने एसपी को दी थी। इसके बाद पुलिस कांस्टेबल विनोदभाई लालजीभाई और कांस्टेबल जयेशभाई बाबूजी को मिली जानकारी के आधार पर, नवसारी-बारडोली रोड GIDC क्षेत्र के नसीलपुर गांव के पास बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के बीम के पास अव्यवस्थित जगह से दूध से भरे टैंकर (नं. UP-15-CT-9939) का ताला तोड़कर और चाबी से खोलकर उसमें प्लास्टिक पाइप डालकर 200 लीटर दूध (मूल्य 8000 रुपये) चोरी किया। चालक फजर महमद मंसूरी (मूल निवासी हापुड़, यूपी), क्लीनर समीरखान चौधरी (मूल निवासी हापुड़, यूपी), नवसारी के मेघदूत सोसाइटी के किरणभाई अर्जुनभाई भरवाड, अर्जुनभाई नगाभाई भरवाड और अन्य एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए 12.36 लाख रुपये का माल जब्त किया गया और ग्रामीण पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सुजॉक एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर 3 जनवरी से

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,इंटरनेशनल सुजोक एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया एवं अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क सुजॉक एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन तीन जनवरी से डुमस रोड़ स्थित अग्र एग्जॉटिका के इम्पीरियल हॉल में किया जाएगा।

इंटरनेशनल सुजोक एसोसिएशन वेस्ट ज़ोन गुजरात के समन्वयक पवन झुनझुनवाला एवं नितिन नरवानी ने बताया की निशुल्क उपचार कैंप का आयोजन तीन जनवरी से पाँच जनवरी तक प्रतिदिन सुबह आठ बजे से दस बजे तक एवं शाम छ बजे से आठ बजे तक किया जाएगा। शिविर में सुजोक थेरेपी के माध्यम से सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज किया जायेगा। शैल्बी हॉस्पिटल, सूरत के डॉक्टर शुगर, बीपी, आंखों की जांच करेंगे और कार्डियोग्राम भी मुफ्त में किया जाएगा। इस जांच के बाद सभी का सुजोक थेरेपी से इलाज किया जाएगा और उनकी दोबारा जांच की जाएगी ताकि उन्हें पता चल सके कि सुजोक थेरेपी के इलाज से उन्हें क्या फायदा हुआ है।

अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष नटवर टाटनवाला एवं सचिव बृजमोहन ने बताया की उद्घाटन समारोह में कोरिया से आईएसए अध्यक्ष डॉ. पार्क मिनचुल और जयपुर से आईएसए इंडिया के उपाध्यक्ष अशोक कुमार कोठारी की उपस्थिति होगी। यह कार्यक्रम सुजोक थेरेपी पर व्यावहारिक सत्रों और इंटरैक्टिव कार्यशालाओं की एक श्रृंखला होगी।